भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

22 जनवरी - 28 जनवरी 2025

jagrukjanta.net

पौष, पक्ष - कृष्ण, तिथि - अष्टमी, संवत 2081 पृष्ठ : 8 जयपुर, बुधवार वर्ष-10, अंक-47, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

प्रदेश में 6 मार्च से शुरू होगी बोर्ड परीक्षाएं

जयपुर @ जागरूक जनता। माध्यमिक शिक्षा राजस्थान बोर्ड ने 10वीं, 12वीं परीक्षाओं का शेड्यूल बदल दिया। यह फै सला रीट परीक्षा डेट 2025 को देखते हुए लिया गया। अब बोर्ड की परीक्षाएं 6 मार्च 2025 से शुरू होगी। राजस्थान बोर्ड परीक्षा 2025 का पूरा शेड्यूल आरबीएसई की ऑफिशियल वेबसाइट पर चेक किया जा सकता है। राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर की अध्यक्षता में हुई बैठक में 10वीं, 12वीं बोर्ड परीक्षा डेट को बदलने का फै सला लिया। इस साल राजस्थान बोर्ड 10वीं, 12वीं परीक्षा के लिए कु ल 19,39,645 स्टूडेंट्स ने रजिस्ट्रेशन करवाया है। इनमें से 10,62,341 स्टूडेंट्स 10वीं की और 8,66,270 स्टूडेंट्स 12वीं बोर्ड परीक्षा के लिए रजिस्टर्ड हैं। राजस्थान बोर्ड परीक्षा पहले फरवरी में होने वाली थी।

बेंगलुरू में सुवर्णा समब्रह्म और 11वां राज्यस्तरीय ब्राह्मण सम्मेलन

देश और समाज के उत्थान में हर व्यक्ति की भूमिका अहम-शर्मा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि देश और समाज के उत्थान में हर व्यक्ति की भूमिका अहम है। समाज में शांति, न्याय और सद्भावना को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ हमारी जिम्मेदारी है कि हम हर क्षेत्र में प्रगति की दिशा में कदम बढ़ाते रहें। उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने हमें विकास के साथ विरासत का संरक्षण करने की प्रेरणा दी है। हमें उनके दिखाए मार्ग का अनुसरण करते हुए हमारे पूर्वजों की दी हुई सांस्कृतिक विरासत को संजोने के साथ मजबूत भी करना चाहिए। शर्मा कर्नाटक के बेंगलुरू में सुवर्णा समब्रह्म और 11वें राज्य स्तरीय ब्राह्मण सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अखिल कर्नाटक ब्राह्मण महासभा जन सेवा के कार्यों से अपने ध्येय 'सर्वे जना सुखिनो भवन्तु' को चरितार्थ कर रही है। यह वेदों और शास्त्रों का पारायण, नित्यकर्मों का पालन और सामाजिक आयोजनों के माध्यम से सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण एवं संवर्धन का कार्य कर रही है।

राजस्थान और कर्नाटक सांस्कृतिक विरासत के लिए विख्यात

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस तरह राजस्थान अपनी सांस्कृतिक विरासत के लिए देश- दुनिया में जाना जाता उसी तरह कर्नाटक भी अपनी सांस्कृतिक विरासत के लिए विख्यात है। उन्होंने कहा कि शास्त्रों के अनुसार भगवान परशुराम ने कर्नाटक के कोंकण तट का निर्माण किया था, इसलिए इसे परशुराम सृष्टि कहा जाता है। यह सृष्टि हरे-भरे पश्चिमी घाटों, खूबसूरत समुद्री तटों और मन को मोह लेने वाले दृश्यों, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक स्थलों से समृद्ध है। श्री शर्मा ने कहा कि कर्नाटक संगीत पूरी दुनिया के शास्त्रीय संगीत में अपनी एक विशिष्ट पहचान रखता है। यह शहर सिलिकॉन वैली के रूप में आईटी और स्टार्टअप के मामले में दुनिया के प्रमुख केंद्रों को भी टक्कर दे रहा है। मैं राजस्थान और कनार्टक के सांस्कृतिक आदान-प्रदान को और अधिक मजबूत करने के लिए आप सभी को राजस्थान आने के लिए आमंत्रित करता हूं।

राज्य सरकार धार्मिक आस्था और संस्कृति का कर रही संरक्षण

शर्मा ने कहा कि राजस्थान में हमारी सरकार धार्मिक आस्था और संस्कृति के संरक्षण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। खाटूश्यामजी मंदिर को भव्यता प्रदान करने के लिए 100 करोड़ रुपये राशि के कार्य तथा 20 प्रमुख मंदिरों और आस्था धामों में भी विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान का हर कोना, अपनी समृद्ध धरोहर, प्रकृति, संस्कृति और विविधताओं का दर्शन करवाता है। उन्होंने उद्यमियों को निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि हमारी सरकार ने निवेशकों के लिए एक ऐसा माहौल तैयार किया है जहां उन्हें हर संभव सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि राजस्थान उत्पादों और सेवाओं के लिए एक बड़ा बाजार है, जहां कुशल श्रम शक्ति के साथ ही उत्तर और पश्चिम भारत के प्रमुख बाजारों से सीधा जुड़ाव है।

राज्यपाल बागडे ने किया अखिल भारतीय भोई समाज के प्रथम राष्ट्रीय महाधिवेशन का शुभारंभ

'सबका साथ, सबका विकास' ही राष्ट्र का सर्वोच्च लक्ष्य-राज्यपाल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने तिरुपति में अखिल भारतीय भोई समाज के प्रथम राष्ट्रीय महाधिवेशन का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भोई समाज भारतीय संस्कृति से जुड़ा वह समुदाय है जिसने राष्ट्र निर्माण में निंरतर महती भूमिका निभाई है। उन्होंने समुद्र, खाड़ियों, नदियों, घाटियों, झीलों, झरनों आदि में मछली पकड़ उन्हें बाज़ार में बेचकर अपनी जीविका चलाने वाले इस समाज के इतिहास की चर्चा करते हुए कहा कि रामायण और महाभारत काल से इस समुदाय ने अपने लिए नहीं सदा दूसरों के लिए कार्य किया है।

राज्यपाल ने भोई समाज को सहज, सरल और मन से भोला बताते हुए कहा कि जो जल–जंगल और जमीन की रक्षा करते हैं, वह भोई है। उन्होंने

भोई समुदाय को समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए शिक्षा के अधिकाधिक प्रयास किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के लिए समाज में जागरूकता होगी तभी केन्द्र और राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ भोई समाज ले सकेगा। उन्होंने कहा कि कोई जाति बड़ी नहीं है और न ही कोई छोटी है। हमारे यहां वर्ण और जाति व्यवस्था इसलिए बनी कि जिसे जो काम रुचि का लगा, उसने वह करना प्रारंभ किया और उसी से उसकी बाद में पहचान बन गई। पर यह स्थाई व्यवस्था नहीं है। हमारी संस्कृति तो आरंभ से ही 'मनुर्भव' की रही है। पहले मनुष्य बनें, उसके बाद कुछ और बनें। जिसमें मानवता का भाव है, वही सबसे बड़ा है। भारत सबके लिए समान भाव रखने की समता में विश्वास रखने वाला देश है।

राज्यपाल ने कहा कि 'सबका साथ, सबका विकास' ही राष्ट्र का सर्वोच्च लक्ष्य है। इसलिए भोई समाज भी अपने अंदर व्याप्त कुरूतियों से बाहर निकलकर राष्ट्र विकास में सहभागी बनें। उन्होंने युवाओं को आगे आकर समाज विकास के लिए कार्य करने पर भी जोर दिया।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज

ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट

- मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
- सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
- असाध्य घाव/शुगर के घाव
- कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
- अचानक बहरापन (Hearing Loss)
- डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133

डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.

नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर

Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur

E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

प्रदेश के 22 ब्लॉकों से होगा श्रीगणेश, 17 जिले शामिल

किसान AI के जरिए मोबाइल से कर सकेंगे, सिंचाई और खाद छिड़काव

ज्ञानेन्द्र मिश्रा
jagrukjanta.net

जयपुर @ जागरूक जनता। प्रदेश की खेती-किसानी भी अब हाईटेक होने जा रही है। यहां के किसान अब खेती में कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) का उपयोग करेंगे। फसल में कब कितना पानी देना है, कब और कितनी खाद का छिड़काव करना है ? किसान यह सब काम अब एआई के जरिए कर सकेंगे। इनके अलावा एआई, किसानों को मौसम, जल प्रबंधन, जल मांग, पोषक तत्व आदि की सटीक जानकारी और सलाह भी देगा।

भजन लाल सरकार जोड़ रही किसानों को आधुनिक तकनीक से

सरकार की इस कवायद का मकसद भविष्य की आवश्यकता को देखते हुए स्मार्ट कृषि का ठोस रोडमैप तैयार करना है। ताकि, घटती भू जोत, रसातल समाते पानी, जलवायु परिवर्तन, ऋतु चक्र में बदलाव, फसल में नए कीट-रोग का प्रकोप, नई-नई खरपतवार के साथ-साथ बढ़ती खाद्यान्न, फल-सब्जी-दूध की मांग जैसी चुनौतियों से निपटा जा सके। बड़ी बात यह है कि प्रदेश के इन किसानों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के प्रयास भजन लाल सरकार स्वयं कर रही है और किसानों को अनुदान भी दे रही है। सरकार की मंशा है कि प्रदेश की युवा पीढ़ी का रुझान कृषि की ओर बढ़े। इसके लिए सरकार ने ऑटोमेशन, फर्टीगेशन एवं सामुदाय आधारित कृत्रिम बुद्धिमता समाधान परियोजना शुरू की है।

प्रदेश के किसानों को कृषि, पशुपालन, उद्यानिकी से जुड़े नवाचारों के लिए इजरायल दौरा करवाया जाता रहा है। इस दौरे का मकसद भी यही है कि यहां के किसान, पशुपालक कृषि की नवीनतम तकनीकियों का बारीकी से अध्ययन कर सकें। हालांकि प्रदेश की कृषि को एआई स्मार्ट बनाना आसान नहीं कहा जा सकता है। यहां की भौगोलिक परिस्थितियां, हवा, पानी, जलवायु, मिट्टी भिन्न-भिन्न स्तर के है। गौरतलब है कि उद्यानिकी आयुक्तालय ने एआई खेती का शुरूआती रोड़मैप तैयार किया है। जिसमें सीडेक के साथ-साथ एक इजरायली कंपनी सहयोग भी लिया जा रहा है। आयुक्तालय के अनुसार एआई सेंसर बेस्ड़ तकनीक की शुरूआत प्रदेश के कुछ ब्लॉकों से की जायेगी।

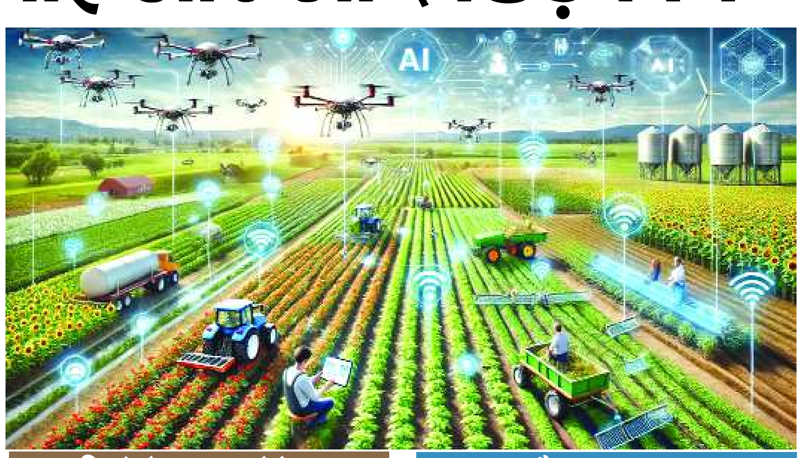

इन जिलों में ज्यादा लगेंगे संयंत्र

जिला	ऑटोमशन	फर्टि.
जालोर	271	165
जयपुर	194	97
बाड़मेर	178	106
जोधपुर	163	100
सीकर	156	93
झालावाड़	125	73
भीलवाड़ा	124	71
अलवर	123	70
नागौर	114	68
हनुमानगढ़	110	70

संभाग में इतने हेक्टेयर की अनुमति

जिला	ऑटोमशन	फर्टि.
बांसवाड़ा	23	1
उदयपुर	27	6
डूंगरपुर	15	2
चित्तौडगढ़	91	57
प्रतापगढ़	59	17

(भूमि क्षेत्र हेक्टेयर में)

फैक्ट फाइल

- 2500 हेक्टेयर में पूरे प्रदेश में लगाई जाएगी ऑटोमशन प्रणाली
- 1393 हेक्टेयर में फर्टिगेशन के लिए करेंगे काम
- 737.74 लाख रुपए ऑटोमेशन के लिए पूरे प्रदेश के खर्च करेगी सरकार
- 767.38 लाख रु. फर्टिगेशन का बजट।

ऐसे समझे ऑटोमेशन प्रणाली

ऑटोमेशन स्वाचालित प्रणाली से सिंचाई अपने आप होती है। कंट्रोलर, सेंसर सोलोनाइड वॉल्व, फिल्टर्स व अन्य युक्तियों के जरिए ड्रिप सिंचाई संयंत्रों का स्वचालन होता है। श्रम बचत के साथ ही पानी व पोषक तत्वों की इच्छित मात्रा व समय पर पौधों को प्राप्त होती है। इससे उत्पादन मात्रा एवं गुणवत्ता में प्रभावी इजाफा होता है।

यह ब्लॉक शामिल

विभाग के द्वारा तैयार प्रोजेक्ट में प्रदेश के 17 जिलों के 22 ब्लॉक को शामिल किया गया है। इनमें अजमेर जिल से पीसागंन, दौसा से बांदीकुई, दौसा, जयपुर से आमेर, गोविंदगढ़, अलवर जिले से राजगढ़, धौलपुर जिले से सैपऊ, धौलपुर, करौली जिले से हिण्डौन, सवाईमाधोपुर जिले से खंड़ार और सवाईमाधोपुर शामिल है। इसी तरह भीलवाड़ा जिले से शाहपुरा, चित्तौड़गढ़ जिले से चित्तौड़गढ़, राजसमंद से राजसमंद, बारां जिले से अटरू, बारां, झालावाड़ जिले से खानपुर, कोटा से सांगोद, झुंझुनूं से खेतड़ी, सीकर से नीम का थाना, हनुमानगढ़ और जैसलमेर ब्लॉक शामिल है।

यह है योजना

योजना के तहत सिंचाई और खाद छिड़काव को क्रमशः ऑटोमेशन और फर्टिगेशन की आधुनिक पद्धति से जोड़ने का प्रयास होगा। किसानों को सिर्फ सिंचाई के लिए ऑटोमेशन, खाद छिड़काव के लिए फर्टिगेशन और सिंचाई एवं फर्टिलाइजर के लिए ऑटोमशन एवं फर्टिगेशन के विकल्प भी दिए गए हैं। जब कि समुदाय आधारित कृत्रिम बुद्धिमता समाधान के लिए कुछ जिले चयनित किए गए है।

7900 किसान होंगे चयनित

प्रोजेक्ट के लिए चयनित ब्लॉक के 7 हजार 900 किसानों का चयन किया जायेगा। चयनित होने वाले किसान के पास एंड्रोयड़ मोबाइल होना अनिवार्य है। साथ ही, मोबाइल एप्लीकेशन को लेकर भी किसान की स्मार्टनेस समझी और परखी जायेगी। इसके बाद किसानों को विभाग के द्वारा एआई तकनीक के बारे में प्रशिक्षित किया जायेगा। इसके बाद प्रोजेक्ट से जुड़े कंपनी अधिकारी-विभागीय अधिकारी और किसान एआई तकनीक का धरातल देने का काम करेंगे।

स्पीकर देवनानी ने कहा- वन नेशन-वन एप्लीकेशन के तहत राजस्थान विधानसभा का सदन हो रहा है डिजिटल

विधानसभा में विधायकों ने लिया नेवा का ऑनलाइन प्रशिक्षण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

विधानसभा में लगभग 110 विधायकों ने बुधवार को आइपेड के माध्यम से सदन से संबंधित कार्यों को करने का एक दिवसीय प्रशिक्षण लिया। प्रशिक्षण लोक सभा सचिवालय से आए नेता और एनआईसी के अधिकारियों ने दिया। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि अब विधायक ऑफलाइन के साथ-साथ नेशनल ई-विधान एप्लिकेशन (नेवा) के माध्यम से ऑनलाइन पद्धति से भी कार्य सम्पादित कर सकेंगे। देवनानी ने कहा कि वन नेशन-वन एप्लीकेशन नेवा के तहत राजस्थान विधान सभा के सदन में भी लोक सभा व राज्य सभा की तर्ज पर विधान संबंधी कार्य होंगे।

इस सूचना एवं तकनीकी युग में डिजिटल पद्धति से कार्य किया जाना समय की आवश्यकता है। राजस्थान विधान सभा भी इस क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़े, इसके लिए वन नेशन-वन एप्लीकेशन के तहत विधान सभा में यह प्रयास किया जा रहा है। राजस्थान विधान सभा का सदन सूचना तकनीक के साथ नये कलेवर में तैयार हो गया है।उन्होंने बताया कि सदन में 200 विधायकों की सीटों पर आईपेड लगाये गये है। आईपेड के माध्यम से विधायक ऑनलाईन विधान कार्यों का सम्पादन कर सकेंगे। विधानसभा के सभागार में सदस्यों की सीटों पर कम्प्यूटर उपकरण स्थापित करने और विधानसभा सचिवालय को पेपरलैस किये जाने हेतु नेवा प्रोजेक्ट के तहत विधायकगण को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। भारत सरकार के संसदीय कार्य मंत्रालय के नेवा के तहत विधान सभा को डिजिटलाईज परियोजना के तहत केन्द्र व राज्य सरकार के वित्त का उपयोग 60 व 40 के अनुपात में किया गया है।

सदन में विधायक की प्रत्येक सीट पर लगा है आई-पैड

देवनानी ने बताया कि सदन में विधायकगण की प्रत्येक सीट पर एक आई-पैड लगाया गया है। एक लैपटोप मय प्रिन्टर विधायकगण को उनके आवास के लिए भी उपलब्ध कराया जायेगा। इस परियोजना में 12.61 करोड़ रूपये की राशि व्यय हुई है। इस राशि में 60 प्रतिशत केन्द्र सरकार एवं 40 प्रतिशत भागीदारी राज्य सरकार की है। उन्होंने कहा कि विधानसभा में नेवा सेवा केन्द्र (ई लर्निंग कम ई-फैसिलेशन सेन्टर) की भी स्थापना की जा रही है। इस केन्द्र के तकनीकी अधिकारी विधायकगण, अधिकारियों व कर्मचारियों को नेवा मॉडूयल्स की जानकारी उपलब्ध करायेगें। केन्द्र द्वारा प्रशिक्षण सामग्री अंग्रेजी व हिन्दी में उपलब्ध कराई जायेगी। उन्होंने कहा कि सत्र के दौरान विधायकों की सुविधा के लिए प्रोजेक्ट के तहत सदन में सहायता उपलब्ध कराने के लिए तकनीकी कर्मचारी मौजूद रहेंगे। जिस भी विधायकों को ऑनलाईन कार्य करने में असुविधा होगी उसके लिए मौके पर ही तकनीकी सहायता उपलब्ध करा दी जाएगी।

अब 7 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संचालित होगा

देवनानी ने बताया कि विधायकों को ऑनलाईन कार्य करने में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिये सात दिवस का व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संचालित किया जा रहा है। इसके तहत विधानसभा समितियों की बैठकों में ही विधायक को आईपैड पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। विधायक के लिये यह प्रशिक्षण निरंतर जारी रखें जाएंगे ताकि यह कार्य पद्धति उनके स्वभाव में आ सके और विधान सभा की कार्यवाही पेपरलैस हो सकें।

जिला प्रशासन के प्रयासों से एक सप्ताह में 25 राहें हुईं आसान

दशकों से बंद रास्ते खुले तो ग्रामीणों के चेहरे खिले

रास्ता खोलो अभियान के तहत जिले में अब खुलवाए गए 464 रास्ते

राहत का दूसरा नाम बना रास्ता खोलो अभियान, ग्रामीणों ने जताया जिला प्रशासन का आभार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। 'जब नीयत साफ और इरादा मजबूत हो तो क्या मुमकिन नहीं हो सकता' कुछ ऐसा ही कर दिखाया है जयपुर जिला प्रशासन ने। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की अनुपालन में जयपुर जिले में जारी रास्ता खालो अभियान आमजन राहत के लिए दूसरा नाम बन गया है। जयपुर जिला प्रशासन के अभिनव अभियान के चलते जिले के ग्रामीण इलाकों में ना केवल दशकों से बंद रास्तों पर रौनक लौट रही है बल्कि रास्तों से जुड़े विवादों में भी उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है।

अतिरिक्त जिला कलक्टर एवं अभियान की नोडल अधिकारी श्रीमती सुमन पंवार ने बताया कि अभियान के तहत विगत एक सप्ताह में जयपुर जिले के समस्त तहसीलों में बरसों से बंद 25 रास्ते खुलवाए गए। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी रास्ता खोलो अभियान के सफल क्रियान्वयन एवं अधिक से अधिक आमजन को लाभांवित करने के लिए स्वयं अभियान की लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। यही कारण है कि अभियान के तहत जिला प्रशासन ने समझाइश एवं सहमति से महज दो महीनों में गांवों, खेतों और ढाणियों के बरसों से बंद पड़े 400 रास्ते खुलवाने में कामयाबी हासिल की है।

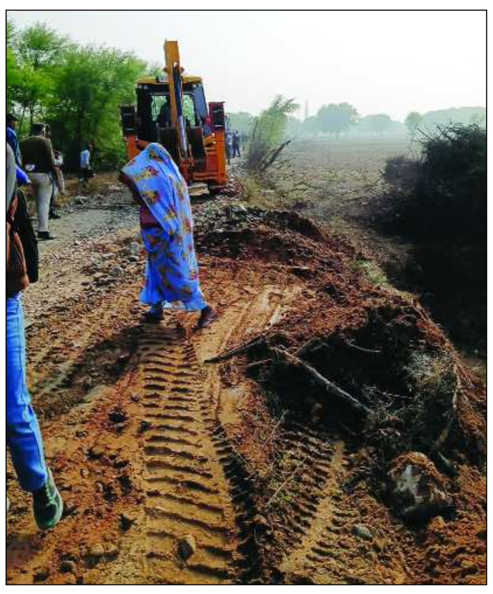

उन्होंने बताया कि रास्ता खोलो अभियान के तहत 15 नवंबर 2024 से 18 जनवरी 2025 तक जयपुर तहसील में 4 रास्ते, कालवाड़ तहसील में 8 रास्ते, आमेर तहसील में 27 रास्ते, जमवारामगढ़ तहसील में 14 रास्ते, आंधी तहसील में 24 रास्ते, बस्सी तहसील में 16 रास्ते, तूंगा तहसील में 11 रास्ते खुलवाए गए।

वहीं, शाहपुरा तहसील में 26 रास्ते, जोबनेर तहसील में 28 रास्ते, किशनगढ़-रेनवाल तहसील में 22 रास्ते, फुलेरा तहसील में 24 रास्ते, रामपुरा-डाबड़ी तहसील में 16 रास्ते, जालसू तहसील में 15 रास्ते, चौमूं तहसील में 30 रास्ते, सांगानेर तहसील में 14 रास्ते खुलवाए गए।

सुमन पंवार ने बताया कि चाकसू तहसील में 23 रास्ते, कोटखावदा तहसील में 15 रास्ते, माधोराजपुरा तहसील में 26 रास्ते, दूदू तहसील में 24 रास्ते, मौजमाबाद तहसील में 27 रास्ते एवं फागी तहसील में 45 रास्ते खुलवाए गए।

उन्होंने बताया कि जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को रास्ता खोलो अभियान के तहत बंद रास्ते खुलवाए जाने के पश्चात खोले गए रास्तों पर ग्रेवेल, सी.सी. रोड़ बनवाये जाने की कार्यवाही भी जल्द से जल्द अमल में लाने के निर्देश दिये हैं, इन निर्देशों की अनुपालना में अधिकांश स्थानों पर ग्रेवल रोड बनाने की कार्यवाही भी आरंभ की जा चुकी है। वहीं, जिन रास्तों के वाद न्यायालय में विचाराधीन है परिवादियों द्वारा संबंधित न्यायालय से ही अनुतोष प्राप्त किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में रास्तों की भूमि पर अतिक्रमण को लेकर जनसुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में परिवाद प्राप्त होते हैं। रास्तों को लेकर न्यायालय में भी वाद दायर किए जाते रहते हैं।

वर्षा जल संचयन कार्यों का शुभारंभ

केंद्रीय मंत्री पाटिल और सीएम भजनलाल ने किया भूमि पूजन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

राजकीय महाविद्यालय सांगानेर में बीते दिनों सांगानेर विधानसभा क्षेत्र के वर्षा जल संचयन के कार्यों का शुभारंभ हुआ। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भूमि पूजन किया। इस दौरान पाटिल ने कहा कि राज्य में पानी की किल्लत को दूर करने के लिए प्रधानमंत्री ने राज्य को संशोधित पीकेसी लिंक परियोजना (एकीकृत ईआरसीपी) के रूप में बड़ा तोहफा दिया है। 70 हजार करोड़ रुपए लागत की इस परियोजना में राज्य सरकारों पर मात्र 10 प्रतिशत ही वित्तीय भार आएगा और 90 प्रतिशत अंशदान केन्द्र सरकार देगी। यमुना जल समझौते से शेखावाटी क्षेत्र की जल समस्या का भी स्थायी समाधान हो जाएगा।

पाटिल ने कहा है कि वह दिन दूर नहीं जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजस्थान सबसे अधिक पानी वाला राज्य होगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने प्रदेश को जल आत्मनिर्भर बनाने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास किए हैं। उन्होंने कहा कि आमजन भी जल की एक-एक बूंद के महत्व को समझते हुए जल संचय में जुड़े, इस उद्देश्य से शुरू किया गया कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान अब एक जन आंदोलन का रूप लेता जा रहा है।

डेरा प्रमुख बाबा गुरिंदर से की मुलाकात

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बुधवार को बीलवा स्थित राधास्वामी सत्संग ब्यास केन्द्र पहुंचे। उन्होंने राधास्वामी ब्यास के डेरा प्रमुख बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लो से मुलाकात की । इस दौरान मुख्यमंत्री ने बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लो से आध्यात्म, सामाजिक मूल्यों, समाज में व्याप्त कुरीतियों आदि विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

ऊर्जा विभाग के एमओयू की समीक्षा

मुख्यमंत्री कार्यालय में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत ऊर्जा विभाग द्वारा हुए एमओयू के क्रियान्वयन के संबंध में बुधवार को समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सीएम ने अधिकारियों को इन प्रोजेक्ट्स की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य में आए प्रत्येक निवेशक को राज्य में निवेश करने के लिए किसी भी तरह की समस्या का सामना नहीं करना पड़े। यदि ऐसे प्रकरण सामने आते हैं तो इसके लिए संबंधित अधिकारी की जबावदेहिता तय की जाएगी। सीएम ने कहा कि राज्य सरकार वर्ष 2027 तक प्रदेश को ऊर्जा में आत्मनिर्भर बनाने तथा किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराने के लक्ष्य के साथ काम कर रही है। इसी क्रम में राइजिंग राजस्थान के तहत ऊर्जा क्षेत्र में सर्वाधिक एमओयू किए गए हैं जिससे राज्य में ऊर्जा सुदृढ़ीकरण को गति मिले। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में विद्त आपूर्ति के लिए हुए इन विभिन्न एमओयू को समयबद्ध रूप से पूरा किया जाए।

बारिश का आना जल संचय कार्यों के शुभारंभ के लिए शुभ संकेत : सीएम

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि जल संचय के कार्यों के शुभारंभ के लिए बारिश आने से बेहतर और कोई शुभ संकेत नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि जल संसाधनों की सीमितता को देखते हुए वर्षा जल को व्यर्थ बहने से रोकना और संरक्षित करना आवश्यक है। इसी दिशा में 'कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान' संचालित किया जा रहा है।

स्वच्छ सर्वेक्षण-2024: कचरा बीनने वाले 45 को दिए पीपीई कीट

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त रूकमणि रियाड़ के निर्देशानुसार स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 के तहत नगर निगम ग्रेटर टीम एवं एलसीसीए एनजीओ द्वारा रेग पीकर्स को पहचान पत्र और पीपीई किट का वितरण किया गया।

कार्यक्रम में उपायुक्त एनयूलएम श्याम लाल जांगिड़, त्व् मानसरोवर, डीपीओ एनयूलएम द्वारा कचरा बीनने वालों का सम्मान करते हुए उनको पहचान मिले इस उद्देश्य के साथ उनको पहचान पत्र और कार्य के दौरान उनकी सुरक्षा का ध्यान रखते हुए उनको पीपीई किट भी दिये गए कार्यक्रम में पीआईयू, सीएसआई, आमजन और कचरा बीनने वाले उपस्थित रहे। उपायुक्त एनयूएलएम ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कचरा बीनने वालों को पीपीई किट वितरित करना और उन्हें सम्मानित किया जाना था। उपायुक्त एनयूएलएम ने कचरा बीनने वालों को पीपीई किट के महत्व के बारे में बताया और पीआईयू टीम ने सरकार द्वारा दी जा रही योजनाओं की जानकारी दी । कार्यक्रम के अंत में स्वच्छता शपथ दिलाई गई। यह समारोह जीरो वेस्ट थीम पर आधारित था तथा 45 कचरा बिनने वाले को पीपीई कीट वितरण की गई।

यूईएम ने की एनईपी 2020 शिखर सम्मेलन की मेजबानी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। यूईएम राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी), जयपुर में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर एक ज्ञानवर्धक शिखर सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम में प्रतिष्ठित शिक्षकों, प्रशासकों और नीति निर्माताओं ने "नए भारत के लिए शिक्षा में परिवर्तन: पारंपरिक और आधुनिक शिक्षा प्रणालियों के बीच की खाई को पाटना" विषय के तहत एनईपी 2020 के परिवर्तनकारी पहलुओं का पता लगाने के लिए एक साथ आए। कार्यक्रम की भव्य शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जो अंधकार को दूर करने और ज्ञान और आत्मज्ञान की शुरुआत का प्रतीक है। कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन प्रो. (डॉ.) बिस्वजॉय चटर्जी, कुलपति, यूईएम जयपुर, प्रो. (डॉ.) प्रदीप कुमार शर्मा, रजिस्ट्रार, यूईएम जयपुर व अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने किया साथ ही सम्मेलन की सफलता के लिए अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ व्यक्त कीं और एनईपी 2020 के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

शिखर सम्मेलन ने पारंपरिक मूल्यों को बनाए रखते हुए शिक्षा प्रणालियों को समकालीन जरूरतों के साथ जोड़ने पर केंद्रित चर्चाओं के लिए एक गतिशील मंच की सुविधा प्रदान की। प्रसिद्ध शिक्षाविदों, स्कूल प्रिंसिपलों और उद्योग के नेताओं ने अपने बहुमूल्य अंतर्दृष्टि के साथ कार्यक्रम को समृद्ध किया, जिसमें NEP 2020 के नवाचार, समावेशिता और डिजिटल सशक्तिकरण पर जोर दिया।

सूचना सहायक के 3415 पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सूचना प्रौद्योगिकी और संचार मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने बताया कि सूचना सहायक भर्ती परीक्षा 2023 के अंतर्गत 3415 अभ्यर्थियों की नियुक्ति प्रक्रिया को शीघ्र पूरा किया जाएगा। कर्नल राठौड़ ने अभ्यर्थियों को आश्वस्त किया कि राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के अध्यक्ष से इस विषय पर चर्चा की जाएगी और माननीय न्यायालय में लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण कर नियुक्ति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा अधिसूचित अभ्यर्थियों का दस्तावेज सत्यापन 18 नवंबर, 2024 से 20 दिसंबर, 2024 तक किया गया। साथ ही अनुपस्थित अभ्यर्थियों को 13 जनवरी, 2025 को एक और अवसर दिया गया।

विभाग के तकनीकी निदेशक एवं संयुक्त सचिव संजय जगदीश कार्णिक ने बताया कि माननीय न्यायालय के विभिन्न अंतरिम आदेशों के अनुसार 84 अभ्यर्थियों और 109 पूर्व में स्क्रूटनी फॉर्म न भरने वाले अभ्यर्थियों को मिलाकर कुल 193 अभ्यर्थियों के लिए 14 जनवरी से 19 जनवरी, 2025 तक स्क्रूटनी फॉर्म भरने की प्रक्रिया चल रही है।

उन्होंने बताया कि दिव्यांग श्रेणी और उत्कृष्ट खिलाड़ी श्रेणी के अभ्यर्थियों द्वारा प्रस्तुत प्रमाणपत्रों की जांच भी समांतर रूप से की जा रही है। ऐसे में स्क्रूटनी फॉर्म भरने वाले सभी अभ्यर्थियों का दस्तावेज सत्यापन पूरा होने के बाद नियुक्ति प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जाएगा।

जागरूक जनता jagrukjanta.net फेसबुक पेज
पढ़े, जुड़े और आगे बढ़े
हर खबर से आपको रखें अपडेट जागरूक जनता
www.facebook.com/jagrukjantanews

सांसद राजकुमार रोत ने मां बाड़ी केंद्रों का किया था निरीक्षण, अब सरकार को दी आंदोलन की चेतावनी

न अल्पाहार मिल रहा, न भोजन, बच्चे कर रहे पलायन

शिक्षाकर्मियों ने बताई अपनी आपबीती

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सांसद राजकुमार रोत ने राजस्थान के वागड़ इलाके डूंगरपुर-बांसवाड़ा में मां बाड़ी केंद्रों पर बच्चों के नामांकन में भारी कमी को लेकर भजनलाल सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने क्षेत्रीय जनजाति विकास विभाग पर आरोप लगाए हैं। पिछले दिनों सांसद राजकुमार रोत द्वारा कई मां बाड़ी केंद्रों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान बच्चों ने बताया, तीन-चार महीने से न अल्पाहार, न भोजन और न ही अन्य सामग्री मिल रही है। शिक्षाकर्मियों की पीड़ा है कि बच्चों को कैसे ठहराएं। केंद्रों पर न अल्पाहार, न भोजन, न जूते- चप्पल और न ही स्वेटर मिल रहे हैं। कई शिक्षाकर्मियों ने अपनी आपबीती बताते हुए कहा, मां बाड़ी केंद्र खोलकर बैठे रहते हैं। सुविधा नहीं होने से बच्चे नहीं आ रहे हैं। बच्चों के अभिभावक भोजन और अल्पाहार नहीं देने का दोष शिक्षाकर्मी पर डाल रहे हैं। शिक्षाकर्मी द्वारा भोजन खाने का आरोप लगाया जा रहा है। न समय पर तनख्वाह और न बच्चों के लिए सुविधा तो आखिर कैसे चलाएं केंद्र। ये बात अधिकारियों को बताते हैं तो चुप्पी साधने को कहा जाता है और हटाने की धमकी देते हैं।

ये हैं विभाग के नियम

- सुबह अल्पाहार
- दोपहर का भोजन
- डे केयर है तो दो वक़्त अल्पाहार और दो वक्त भोजन
- साप्ताहिक फल फ्रूट
- साप्ताहिक मिठाई
- कपड़े, स्वेटर, जूते और समस्त स्टेशनरी की सामग्री

भ्रष्टाचार अपनी चरम सीमा पर

उन्होंने कहा कि यह मामला केवल आरोप-प्रत्यारोप का नहीं है, बल्कि सच्चाई यह है कि टीडी विभाग में भ्रष्टाचार अपनी चरम सीमा पर पहुंच चुका है। आदिवासी बच्चों के साथ हो रहे अन्याय को समाप्त करने के लिए तुरंत कदम उठाए जाने चाहिए। यदि जल्द ही मां बाड़ी केंद्रों पर सुविधाओं का वितरण शुरू नहीं हुआ, तो हमारी पार्टी बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होगी।

'आदिवासी बच्चों का भविष्य अंधकार में डाला जा रहा'

राजकुमार रोत ने कहा कि अभिभावकों का कहना है कि बच्चों को पहले जो सुविधाएं और भोजन मिल रहा था, वह अब बंद हो गया है। शिक्षाकर्मी बच्चों को बुलाने की कोशिश करते हैं, लेकिन सामग्री और सुविधाओं के अभाव में बच्चे केंद्रों में टिक नहीं पा रहे हैं। इस बीच, यह भी जानकारी मिली है कि अधिकारियों के भ्रष्टाचार और निजी स्वार्थ के कारण प्रक्रियाओं में देरी हो रही है, जिससे आदिवासी बच्चों का भविष्य अंधकार में डाला जा रहा है।

राजस्थान मंडपम और यूनिटी मॉल के संबंध में उच्चस्तरीय बैठक

राजस्थान मंडपम होगा विश्वस्तरीय-शर्मा

बड़े आयोजनों की करेगा मेजबानी, यूनिटी मॉल से स्थानीय उत्पादों को मिलेगा प्रोत्साहन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान मंडपम विश्वस्तरीय सुविधाओं से युक्त और अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय होगा। उन्होंने राजस्थान मंडपम में आवश्यक व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं की पुख्ता कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए ताकि यहां पर बड़े आयोजन सुगमता से हो सके।

शर्मा जयपुर में प्रस्तावित राजस्थान मण्डपम एवं यूनिटी मॉल की कार्ययोजना के संबंध में गुरूवार को मुख्यमंत्री कार्यालय पर आयोजित उच्चस्तरीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान मंडपम स्थानीय कला, संस्कृति और पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ सांस्कृतिक और व्यावसायिक आयोजनों के लिए प्रमुख आकर्षण के रूप में उभरेगा। उन्होंने कहा कि देश एवं विदेशों के बेहतरीन कन्वेंशन सेन्टर का परीक्षण कर राजस्थान मंडपम में विश्वस्तरीय सुविधाएं विकसित की जाएगी। उन्होंने यहां विकसित होने वाले कन्वेंशन सेन्टर, एक्जीबिशन सेन्टर, मीटिंग हॉल एवं आगन्तुकों की पार्किंग के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

वन स्टॉप मार्केट प्लेस के रूप में कार्य करेगा यूनिटी मॉल

मुख्यमंत्री ने कहा कि जयपुर में 'मेक इन इंडिया' तथा 'वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट' के तहत स्वदेशी उत्पाद को बढ़ावा देने के लिए यूनिटी मॉल का भी निर्माण किया जाएगा। यह मॉल जीआई प्रोडक्ट, हस्तशिल्प उत्पाद एवं अन्य स्थानीय उत्पादों के प्रमोशन एवं विक्रय के लिए वन स्टॉप मार्केट प्लेस के रूप में कार्य करेगा। इसमें दुकानकारों की आवश्यकताओं के दृष्टिगत सभी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। साथ ही, यहां कॉमन ट्रेनिंग सेन्टर, ओपन थिएटर, बिजनेस मीटिंग हॉल एवं सेमीनार हॉल आदि सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। बैठक में प्रस्तुतीकरण के माध्यम से राजस्थान मंडपम एवं यूनिटी मॉल की प्रस्तावित कार्ययोजना के बारे में मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया। इस दौरान उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्द्धन राठौड़, मुख्यमंत्री कार्यालय में अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल एवं प्रमुख सचिव आलोक गुप्ता, रीको के वरिष्ठ अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने जिला स्तरीय कार्यक्रम में पट्टे किए वितरित

स्वामित्व योजना

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। स्वामित्व योजना के जिला स्तरीय कार्यक्रम में अजमेर जिले में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, केन्द्रीय कृषि मंत्री भागीरथ चौधरी एवं विधायक अनिता भदेल ने लाभार्थियों को पट्टे वितरित किए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्चुअली लाभार्थियों को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि स्वामित्व योजना देश के गांवों की अर्थव्यवस्था के लिए ऐतिहासिक है। ग्रामीण आबादी को अपनी भूमि का कानूनी प्रमाण दिया गया। कानूनी दस्तावेज से मालिकाना अधिकार मिला है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा भी ग्रामीण भू सम्पति पर विस्तृत रिपोर्ट जारी की गई है। दस्तावेज के अभाव में ग्रामीण सम्पत्ति डेड केपिटल हो जाती है। स्वामित्व योजना के लिए ड्रॉन मेपिंग करवाई गई है। अब आवासीय सम्पत्ति के कागजात दिए जा रहे है। अवैध कब्जे तथा अदालती परिवादों से मुक्ति मिलेगी। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के तहत देश में वर्चुअल माध्यम से पट्टों का वितरण किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में बहुत से ऐसे लोग है, जिनकी जमीन किसी भी सरकारी आंकड़ो में दर्ज नहीं थी। इस कारण जमीन को लेकर आपसी झगड़ा या कब्जा होने का खतरा हमेशा बना रहता था। उनको उस जमीन पर ऋष्टा और अन्य सुविधाएं नहीं मिल पाती थी। प्रधानमंत्री ने ग्रामीणों के इस दुःख को समझा और इस समस्या के समाधान के लिए प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना की 24 अप्रैल 2020 को शुरूआत की। इस योजना में ड्रोन और डिजिटल माध्यम से गांव और खेत की मेपिंग करके सम्पत्ति के नामांकन और सत्यापन का कार्य किया जाकर स्वामित्व संबंधी पट्टे दिए जा रहे है।

'फ्रेंड्स ऑफ राजसखी' सोशल मीडिया इन्फलुएंसर्स वर्कशॉप आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद् द्वारा राजस्थान इंटरनेशनल सेन्टर मे 'फ्रेंड्स ऑफ राजसखी' सोशल मीडिया इन्फलुएंसर्स वर्कशॉप का आयोजन शासन सचिव ग्रामीण विकास एवं राज्य मिशन निदेशक, राजीविका आशुतोष एटी पेडणेकर की अध्यक्षता में किया गया। सोशल मीडिया इन्फलुएंसर मीट में प्रदेश से लगभग 160 इन्फलुएंसर्स ने भाग लिया। राज्य मिशन निदेशक, राजीविका द्वारा बताया गया कि राजसखी एवं सोशल मीडिया के समन्वय से समाज सेवा के लिए महिला सशक्तिकरण को नया मंच प्रदान किया जा सकता

है। सोशल मीडिया के माध्यम से राज सखी और राजीविका का नाम प्रत्येक गांव तक पहुंचाने पर जोर दिया गया। उन्होने बताया कि राजसखी की महिलाएं एक वर्ष में लगभग 15 हजार करोड़ के उत्तम क्वालिटी के उत्पाद बनाती हैं। उन्होने इन्फलुएंसर्स से कहा कि वे अपनी सक्रियता से ग्रामीण महिलाओं के जीवन में बदलाव ला सकते हैं। उन्होने इन्फलुएंसर्स को राजीविका के प्रचार-प्रसार के लिए विभाग द्वारा हर संभव सहयोग किए जाने का आश्वासन दिया। राजस्थान से आये इन्फलुएंसर्स ने राजीविका के प्रचार-प्रसार हेतु बढ़ चढकर सहभागिता निभाने एवं राजसखी उत्पादों का सोशल मीडिया पर नियमित रूप से प्रचार-प्रसार करने का आश्वासन दिया। वर्कशॉप में परियोजना निदेशक प्रशासन अजय कुमार आर्य,राज्य परियोजना प्रबंधक (प्रशासन) मीना नीरू तुलसीराम एवं राजीविका सोशल मीडिया टीम प्रभारी नीरू नरूका सहित राजीविका के अधिकारीगण भी मौजूद रहे।

सीकर, पाली और बांसवाड़ा

3 संभागों में बनी पुलिस रेंज भी सरकार ने कर दी खत्म

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में तीन पुलिस रेंज को खत्म कर दिया गया है। प्रदेश में एक बार फिर सात पुलिस रेंज होंगी। पुलिस जिलों के लिहाज से जयपुर और जोधपुर पुलिस रेंज सबसे बड़ी हो गई है। दोनों रेंज में आठ-आठ पुलिस जिले शामिल होंगे। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय प्रदेश में तीन नए संभाग सीकर, पाली और बांसवाड़ा बनाए गए थे, जहां पुलिस रेंज का भी गठन किया गया था। सरकार नेपिछ्लेदिनों तीन संभाग और 9 जिलों को खत्म कर दिया था। इसके चलतेतीन संभागों में बनी पुलिस रेंज को भी खत्म कर दिया गया है। नए पुलिस रेंज खत्म होने के बाद अब प्रदेश में सात पुलिस रेंज होंगी। इस सात रेंज का पुनर्गठन भी किया गया है। इस संबंध में गृह विभाग की ओर से अधिसूचना जारी की गई है।

रेंज में यह जिले

अजमेर : अजमेर, भीलवाड़ा, टोंक, ब्यावर, नागौर और डीडवाना-कुचामन।
बीकानेर : बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ और चूरू।
भरतपुर : भरतपुर, धौलपुर, करौली, डीग और सवाई माधोपुर।
उदयपुर : उदयपुर, चित्तौड़गढ़, राजसमंद, प्रतापगढ़, डूंगरपुर, बांसवाड़ा और सलूंबर।
जयपुर : जयपुर ग्रामीण, कोटपूतली-बहरोड़, दौसा, अलवर, खैरथल-तिजारा, भिवाड़ी, झुंझुनूं और सीकर
जोधपुर : जोधपुर ग्रामीण, फलौदी, जैसलमेर, बाड़मेर, बालोतरा, पाली, सिरोही और जालोर।
कोटा : कोटा शहर, कोटा ग्रामीण, बूंदी, बारां और झालावाड़।

भजनलाल शर्मा सरकार ने एक भी स्कूलों को नहीं किया बंद, कांग्रेसी फैला रहे है झूठ- तिवाड़ी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। भाजपा सांसद और पूर्व शिक्षा मंत्री घनश्याम तिवाड़ी ने कांग्रेसी नेताओं द्वारा सरकारी स्कूलों को लेकर फैलाए जा रहे झूठ पर पलटवार करते हुए कहा कि शिक्षा में राजनीति की जरूरत नहीं है, बल्कि राजनीति में शिक्षा की जरूरत है। कांग्रेसियों को पढ़ने और सिखने की जरूरत है। कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व के साथ प्रदेश के नेता भी मूर्खतापूर्ण और अज्ञानतापूर्ण बयानबाजी कर रहे है। अब कांग्रेसी नेता कह रहे है कि भाजपा सरकार ने स्कूलों को बंद कर दिया, जबकि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सरकार ने एक भी स्कूलों को बंद नहीं किया है। भाजपा सरकार ने शून्य नामांकन वाले स्कूलों को नजदीक की स्कूल में मर्ज करने का ऐतिहासिक कार्य किया है। सरकार के इस फैसले से शून्य

नामांकन वाली स्कूलों को मर्ज करने के बाद शिक्षकों को जरूरत के अनुसार दूसरी स्कूलों में लगाया जा सकेगा इससे शिक्षण व्यवस्था में भी सुधार आएगा। भाजपा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि कांग्रेस ने सिर्फ प्रचार के दृष्टि से महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों को खोलकर खानापूर्ति कर दी, जबकि अंग्रेजी पढ़ाने वाले 1 भी शिक्षकों की भर्ती नहीं की, बल्कि राजकीय विद्यालयों के नाम बदल दिया।

सुनिता शर्मा को किया विप्रशिरोमणि उपाधि से अलंकृत

» जागरूक जनता @ जयपुर। ब्राह्मण समाज राजस्थान जयपुर जिला देहात के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष भुवनेश तिवाडी ने समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर बापू बाजार निवासी सुनिता शर्मा को विप्र शिरोमणि उपाधि से अलंकृत कर सम्मानित किया। इस दौरान सुनिता शर्मा ने कहा की यह सम्मान भगवान

के आशीर्वाद के समान है हमेशा में समाज के लिए अग्रणीय भूमिका निभाऊंगी। इस दौरान सिक्किम राज्यपाल के विशेषाधिकारी विजय शर्मा, पं गोपाल भारद्वाज चेतावाला, डॉ ओम प्रकाश शर्मा, गोपाल शर्मा, बनवारी लाल शर्मा, डॉ रामप्रकाश शर्मा, कैप्टन श्रीराम शर्मा हरिओम शर्मा आदि लोगों उपस्थित थे।

राजस्थान जनमंची ट्रस्ट द्वारा स्थापित एवं संचालित

30 वर्षों से लाखों पक्षियों को निःशुल्क इलाज और आश्रय दे रहा जयपुर बर्ड हॉस्पिटल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान जनमंची ट्रस्ट द्वारा लावारिस बेसहारा वृद्ध बीमार दुर्घटनाग्रस्त अपंग पक्षियों के लिए निशुल्क पक्षी आश्रय एवं चिकित्सा का केंद्र संचालित किया जा रहा है। पिछ्ले केवल एक हफ्ते के दौरान लगभग 900 पक्षी इस केंद्र पर सेवा हेतु ले गए हैं। कोई भी आम व्यक्ति यहां किसी भी प्रजाति के पक्षी को पहुंचकर उसकी प्राण रक्षा में सहयोग प्रदान कर सकता है। पक्षी चिकित्सालय, कैलगिरी रोड, मालवीय नगर, जयपुर में हरे भरे वातावरण के बीच स्थित है। यहां पर लावारिस पक्षियों के लिए इलाज, दवाइयां, भोजन, आवास, फूड सप्लीमेंट जैसी सभी सुविधाएं पूरी तरह निशुल्क हैं। जनवरी में पतंग डोर के सीजन में तो प्रतिदिन यहां कई सौ घायल पक्षी आते हैं। पतंग डोर के अलावा जानवरों का शिकार बिजली का करंट ऊंची आधुनिक इमारतें ए सामान्य मौसम छत पर लगे हुए पंखे के कारण बारहमासी यहां पक्षियों को सेवाभावी लोग और संस्थाएं लाते हैं। बिना किसी फीस बिना किसी शुल्क के सभी पक्षियों का यहां इलाज आश्रय देने के पश्चात ठीक होने पर उन्हें उड़ा दिया जाता है।

राजस्थान जैन मानचित्र एक रजिस्टर्ड सामाजिक संस्था है यह बिना किसी सरकारी मदद के केवल सेवाभावी दानदाताओं के सहयोग से संचालित हो रही है। जयपुर के मध्य स्थित पक्षी चिकित्सालय में बड़े आकार के 18 वार्ड है, जिनके अंदर विशालकाय वृक्ष भी है। इसके अतिरिक्त 15 छोटे वार्ड है। बीमारी और पक्षी को उनकी प्रजाति के अनुसार अलग-अलग रखने की व्यवस्था है। आश्रय प्राप्त कर रहे अपंग और वृद्धि पक्षियों को नियमित साफ-सफाई चिकित्सा के साथ उपयुक्त पोस्टिक आहार प्रदान किया जाता है। यह पक्षी चिकित्सालय गूगल और जस्ट डायल श्रेष्ठ 5 स्टार के साथ सर्वोच्च स्थान पर है। यहां की विशेषता है कि पक्षी स्वयं ठीक होने के बाद अपने

आप उड पाते हैं। केवल लावारिस पक्षियों के लिए यह एक अनूठी व्यवस्था है। पक्षी चिकित्सालय की स्थापना 30 वर्ष पूर्व संस्थापक कमल लोचन द्वारा की गई थी आज इसमें 200 से अधिक वालंटियर अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

विशेषज्ञ पशु चिकित्सा पशु चिकित्सा कंपाउंडर के साथ-साथ सेवाभावी लोगों की टीम इसका संचालन करती है। मैनेजमेंट के लिए हर 3 वर्ष में कार्यकारिणी का गठन किया जाता है। प्रतिष्ठित समाजसेवी डी आर मेहता, भगवान गट्टानी, कमल लोचन, अभय नाहर आदि वर्तमान पदाधिकारी है। डॉ मनोज शर्मा और वेटरनरी टीम सदस्य के नेतृत्व में 13 14 और 15 जनवरी को 40 अलग-अलग स्थान पर घायल पक्षियों के संकलन और प्राथमिक उपचार हेतु कैंप लगाए गए। सभी जगह राजस्थान जैन मानचित्र पक्षी चिकित्सालय द्वारा इलाज के लिए वेटरनरी टीम वालंटियर दवाइयां खाना-पीना और ट्रांसपोर्ट पोर्ट फैसिलिटी उपलब्ध करवाई गई। अधिकतर पक्षियों को प्राथमिक उपचार के एक-दो दिन बाद उन्हें छोड़ दिया गया, कुछ पक्षियों को आश्रय के लिए रखा गया है। बड़े हवा - रोशनी दार पिंजरे और हरियाली युक्त पेड़ पौधों के कारण यहां पर पक्षियों को तेजी से स्वास्थ्य लाभ प्राप्त होता है। हर रोज यहां से स्वस्थ हुए पक्षियों को नियमित क्रम में उड़कर आयोजन भावनात्मक रूप से संतुष्ट होते हैं।

कोरोना काल में जब कोई भी घर से निकल नहीं सकता था उसे दौरान राज्य सरकार ने सभी चुगाया स्थलों पर चौका देने की परमिशन इस संस्था को प्रदान की संस्था ने कई सौतन ज्वार बाजरा देकर इन पक्षियों को जीवित रखा। राजस्थान जनमंची ट्रस्ट द्वारा संचालित पक्षी चिकित्सालय पूरी दुनिया में अपनी विशेष पहचान रखता है राजस्थान और जयपुर के लिए यह बहुत ही गर्व की बात है। संस्था और संस्थापक कमल लोचन को एनिमल वेलफेयर, पशु - पक्षी संरक्षण और पर्यावरण सेवा के लिए अनेकों राष्ट्रीय और राज्य स्तर के सम्मान इस हेतु प्रदान किए गए हैं। बड़े से बड़े त्यौहार और छुट्टी के दिन भी अस्पताल की सेवाएं जारी रहती है।

सम्पादकीय

पुलिस जांच तंत्र में तत्काल सुधार जरूरी

पुलिस तंत्र को अपनी कार्यप्रणाली में सतत सुधार करते रहना चाहिए। कानूनों के क्रियान्वयन में जहां उसे संवेदनशील बनने की जरूरत है, वहीं जांच में अत्याधुनिक तकनीकों व तरीकों को अपनाने की आवश्यकता है। पूर्वधारणा के आधार पर या शिकायतकर्ता के आरोपों की गहन जांच किए बिना अपराध के लिए किसी को आरोपी बना देने की मानसिकता से बाहर निकलने की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर से पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाया है। शीर्ष अदालत ने पुलिस को संवेदनशील बनने की नसीहत के साथ चेतावनी दी है कि किसी व्यक्ति के खिलाफ भारतीय दंड संहिता के तहत आत्महत्या के लिए उकसाने की धारा केवल मृतक के व्यथित परिवार के सदस्यों की भावनाओं को शांत करने के लिए यांत्रिक ढंग से नहीं लगाई जानी चाहिए। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा है आरोपियों को जांच प्रक्रिया के दौरान ऐसी स्थिति के दुरुपयोग का शिकार न होना पड़े, जिसे साबित नहीं किया जा सके। पीठ ने दो टूक कहा, 'ऐसा लगता है कि पुलिस भादंसं की धारा 306 का लापरवाही से और बहुत आसानी से इस्तेमाल करती है। वैसे जहां मूल आधार हो, उन वास्तविक मामलों में शामिल व्यक्तियों को बख्शा नहीं जाना चाहिए।' दरअसल, सुप्रीम कोर्ट आत्महत्या के लिए उकसाने के एक मामले की सुनवाई कर रहा था, इस दौरान कोर्ट ने पुलिस की जांच प्रणाली में खामियों को उजागर किया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि अधीनस्थ अदालत को भी 'बहुत सावधानी और सतर्कता' बरतनी चाहिए तथा भले ही किसी मामले में जांच एजेंसियां धारा 306 के तत्वों के प्रति पूरी तरह से उपेक्षा दिखा रही हों, अधीनस्थ अदालत को यांत्रिक रूप से आरोप तय करके 'सुरक्षित खेल खेलने की प्रवृत्ति' नहीं अपनानी चाहिए। शीर्ष अदालत ने कहा कि किसी मामले को भादंसं की धारा 306 के दायरे में लाने के लिए आत्महत्या का मामला होना चाहिए और यह भी तथ्य होना चाहिए कि उक्त अपराध के लिए कथित तौर पर उकसाने वाले व्यक्ति ने आत्महत्या के लिए उकसाने या आत्महत्या के लिए मजबूर करने के लिए कोई निश्चित कार्य करके सक्रिय भूमिका निभाई होगी। यह तो बानगी है। अनेक ऐसे मामले आए दिन प्रकाश में आते रहते हैं, जिसमें पुलिस कानून के गलत इस्तेमाल करते हुए दिखती है। कभी जांच की जटिलता से बचने के लिए, कभी दबाव में, कभी आपसी खुंदक में, कभी अपनी वाहवाही के लिए पुलिस आरोपों की जांच में या तो शीघ्रता बरतती है, या पूर्वधारणा का सहारा लेती है या फिर आरोपित को ही दोषी मानकर कार्रवाई करने लगती है। इसीलिए देश में पुलिस सुधार को लेकर मांग उठती रही है। पुलिस सुधार को लेकर सर्वोच्च न्यायालय निर्देश दे चुका है। शीर्ष अदालत ने स्वायत्तता, जवाबदेही और लोकोन्मुखता के बिंदुओं पर पुलिस तंत्र में सुधार की बात कही थी। पुलिस की स्वायत्तता को मजबूत कर उसे बाह्य दबावों से मुक्त रखने के लिए सर्वोच्च न्यायालय ने निर्देश दिया था कि डीजीपी, आईजी, एसपी, एसएचओ की दो वर्ष की निश्चित तैनाती मिलनी चाहिए। राज्यों को नए सिरे से लोकोन्मुख पुलिस अधिनियम बनाने का निर्देश दिया था। पुलिस सुधारों को लोकतंत्र व सामाजिक कल्याण से जोड़कर ही इनके वास्तविक उद्देश्यों की प्राप्ति की जा सकती है। मौजूदा सरकार को पुलिस सुधार को लागू करने की तरफ आगे बढ़ना चाहिए।

देश में कई कंपनियां विशेषकर आईटी और स्टार्टअप कंपनियां कर्मचारियों से अपेक्षा करती हैं कि वे अतिरिक्त घंटे काम करें। हालांकि इनमें से कई कंपनियां कर्मचारियों को ओवरटाइम का भुगतान नहीं करतीं और उन्हें एक्जीक्यूटिव श्रेणी में डालकर ओवरटाइम नियमों से बचने की कोशिश करती हैं।

सुबह और शाम सिर्फ काम ही काम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

श्याम माथुर
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

निष्कर्ष यही निकलता है कि कर्मचारी अपनी क्षमता से अधिक कितना भी काम कर लें, लेकिन टॉप मैनेजमेंट कभी उन पर रहम नहीं करता, बल्कि उनके वेतन को कैसे कम किया जाए, इसी उधेड़बुन में जुटा रहता है।

दफ्तरों में लोगों को हफ्ते में कितने घंटे तक काम करना चाहिए- इस बहस ने फिर जोर पकड़ लिया है। इस बार लार्सन एंड टूब्रो जैसी बड़ी कंपनी के चेयरमैन एस एन सुब्रह्मण्यम के बयान के बाद बहस और तेज हो गई। सुब्रह्मण्यम ने कर्मचारियों से लंबे समय तक काम करने और रविवार को भी काम करने का सुझाव दिया। सुब्रह्मण्यम ने कहा कि उत्पादकता बढ़ाने के लिए काम के घंटे बढ़ाना आवश्यक है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि कर्मचारी अपने समय का बेहतर उपयोग कर सकते हैं, बजाय इसके कि वे इसे घर पर अपने बीवी-बच्चों के साथ व्यर्थ गंवाएं। दरअसल यह विचार पहली बार नहीं आया है। 2023 में इन्फोसिस के सह-संस्थापक नारायण मूर्ति ने भी भारतीयों को 70 घंटे का कार्य सप्ताह अपनाने की सलाह दी थी। उनका कहना था कि भारत को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में टिके रहने और तेज प्रगति के लिए यह कदम उठाना चाहिए।

देश में कई कंपनियां विशेषकर आईटी और स्टार्टअप कंपनियां पहले ही कर्मचारियों से अपेक्षा करती हैं कि वे अतिरिक्त घंटे काम करें। हालांकि इनमें से कई कंपनियां कर्मचारियों को ओवरटाइम का भुगतान नहीं करतीं और उन्हें एक्जीक्यूटिव श्रेणी में डालकर ओवरटाइम नियमों से बचने की कोशिश करती हैं। आपकी तनख्वाह भले ही मजदूर जैसी हो, लेकिन पदनाम बहुत खूबसूरत होता है और आप भी इसके भुलावे में आ जाते हैं। इसे आप एक किस्म का इमोशनल ब्लैकमेल भी कह सकते हैं। अनेक संस्थानों में कर्मचारी अपने बॉस के साथ एक आत्मीय रिश्ता होने का दावा करते हैं, लेकिन यही बॉस एक दिन अचानक उन्हें नौकरी से निकाल देता है और इसके साथ ही आत्मीयता वाले तमाम एकतरफा रिश्ते एक झटके में खत्म हो जाते हैं। निष्कर्ष यही निकलता है कि कर्मचारी अपनी क्षमता से अधिक कितना भी काम कर लें, लेकिन टॉप मैनेजमेंट कभी उन पर रहम नहीं करता, बल्कि उनके वेतन को कैसे कम किया जाए, इसी उधेड़बुन में जुटा रहता है।

बहरहाल, प्राइवेट कंपनियों में कामकाजी घंटों को बढ़ाने का तर्क क्यों दिया जा रहा है, हमें इसे भी समझना होगा। काम के घंटे बढ़ाने के समर्थक लोगों का कहना है कि लंबे समय तक काम करने से उत्पादन बढ़ेगा और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। इसका अर्थ यह भी हुआ कि अधिक काम के जरिए भारतीय कंपनियां अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकती हैं। काम के घंटों को बढ़ाने से परियोजनाओं को समय पर पूरा किया जा सकेगा और अतिरिक्त काम से कर्मचारी अपनी क्षमता को अधिकतम स्तर तक पहुंचा सकते हैं।

हालांकि लंबे कामकाजी घंटों का विचार हर किसी को सही नहीं लगता। आलोचकों का कहना है कि लंबे कामकाजी घंटे से कर्मचारी का व्यक्तिगत जीवन प्रभावित होता है। उनकी सेहत पर बुरा असर पड़ता है। ज्यादा काम तनाव, थकावट और स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बनता है। लंबे समय तक काम करने से कर्मचारी की कार्य क्षमता और मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। इसके अलावा, परिवार और सामाजिक रिश्तों पर भी बुरा असर पड़ता है।

कर्मचारी संगठनों और ट्रेड यूनियनों का कहना है कि लंबे कामकाजी घंटे लागू करने से पहले व्यक्तिगत जीवन और काम के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए नीतियां बनाई जानी चाहिए। कर्मचारियों को उचित वेतन और ओवरटाइम भत्ता मिलना चाहिए और कार्यस्थल पर स्वास्थ्य और सुरक्षा उपायों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

मौजूदा दौर में यह जानना अहम है कि आखिर भारत में लोग वास्तव में हर हफ्ते कितने घंटे काम में देते हैं? भारत में मिलने वाली तनख्वाह और काम के घंटों की तुलना में बाकी देश कहां खड़े हैं? अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के आंकड़ों के मुताबिक, देश के लोग हर हफ्ते औसतन 46.7 घंटे काम करते हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि यह औसत आंकड़ा है। 51 फीसदी भारतीय कर्मी तो हर हफ्ते 49 घंटे से ज्यादा काम में देते हैं। इस तरह भारत उन देशों में से है, जहां लोगों के काम के घंटे सबसे ज्यादा हैं। यहां तक कि दक्षिण एशियाई देशों में भी भारत के लोग सबसे ज्यादा काम करने वालों में शामिल हैं।

दूसरी तरफ अमेरिका में भी कमोबेश यही स्थिति है। वहां कर्मचारियों के काम के घंटे कम होने के बावजूद टेक कंपनियों के टॉप मैनेजमेंट की ओर से लोगों पर ज्यादा काम करने के लिए दबाव बनाया जाता है। हालांकि, अमेरिका में सख्त लेबर कानून के चलते यह संभव नहीं होता। जिस दौरान एलन मस्क ने ट्विटर को खरीदा था, तब उनके एक ईमेल की काफी चर्चा थी। इसमें कहा गया था कि मस्क ने कर्मचारियों को हफ्ते में 80 घंटे काम करने के लिए चेताया है। साथ ही ये भी दावे कि जा रहे हैं कि कर्मचारियों को मिलने वाला फ्री फूड यानी मुफ्त खाने की सुविधा भी खत्म की जाएगी। वहीं वर्क फॉम होम की सुविधा को भी बंद कर दिया गया है।

जब सॉफ्टवेयर कंपनी इंफोसिस के सह संस्थापक नारायण मूर्ति ने भारत में युवाओं से हर हफ्ते 70 घंटे काम करने की बात कही, तो इससे कई कंपनियों के मालिक खुश हो गए थे। लेकिन इस मुद्दे को लेकर युवाओं के बीच काफी नाराजगी देखी जा रही है। भारत में बहुत से लोग कठिन परिस्थितियों में काम करते हैं और काम के घंटे बहुत ज्यादा होते हैं। खासतौर से अगर कम कुशल या अकुशल श्रमिकों की बात करें, तो वह लोग हर रोज तकरीब 10 से 16 घंटे काम करते हैं। यहां तक कि आईटी सेक्टर में जहां कई कुशल प्रोग्रामर काम करते हैं, वहां भी उन लोगों से कंपनी की तरफ से ज्यादा काम की उम्मीद की जाती हैं।

दरअसल कॉर्पोरेट लोगों की दुनिया में काम के ज्यादा घंटों को कोई बहुत बड़ा इश्यू ही नहीं माना जाता। कॉर्पोरेट दुनिया का मानना है कि कर्मचारियों को दिन में 12 से 14 घंटे काम करना चाहिए। अनेक बड़ी कंपनियों के लोग यह कहते मिल जाएंगे कि लोगों को काम के लिए अपने आप को पूरी तरह समर्पित कर देना चाहिए। उनका तर्क है कि अगर आपको अपना काम पसंद है तो आपका वर्क-लाइफ बैलेंस अपने आप बन जाता है। जैसा कि उद्योगपति गौतम अदाणी ने कहा, 'अगर आप जो करते हैं वो अच्छा लगता है तो आपका वर्क-लाइफ बैलेंस सही है। आपका वर्क-लाइफ बैलेंस मुझ पर थोपा नहीं जाना चाहिए और मेरा आप पर नहीं।'

(ये लेखक के अपने विचार है)

शरणागति के संत 'गोस्वामी तुलसीदास'

संकलित
दर्शन

भगवान शंकर जी ने भी विष पिया और गोस्वामी तुलसीदास जी ने भी। दोनों ने समाज को रामकथामृत देकर धन्य कर दिया। संसार में और समुद्र में अमृत-मंथन करने पर विष अवश्य निकलेगा, पर उसमें राम को जोड़ दिया तो वह विष भी अमृत हो जाएगा। यही तुलसीदास जी ने किया :

गरल सुधा रिपु करहिं मिताई, गोपद सिंधु अनल सित लाई।
गरुड़ सुमेरु रेनु सम ताही, राम कृपा करि चितवा जाही।।

राम नाम के प्रति गोस्वामी जी की आस्था तो सावन मास के अंधे की तरह थी, जिन्हें राम प्रेम में सब हरा ही हरा दिखाई देता था। राम की कृपा के प्रति गोस्वामी तुलसीदास जी की यह जो दीनता और शरणागति है, यही उनका चरम पुरुषार्थ है। कृपा के मूल में पुरुषार्थ नहीं होता है, अपितु पुरुषार्थ के मूल में कृपा होती है। रामचरितमानस कृपासाध्य ग्रंथ है, साधन साध्य नहीं। कर्म, उपासना, साधन, अनुष्ठानादि सब ठीक हैं, पर यह सब पाने के साधन हैं, किंतु जिसके जीवन में प्राप्तव्य ही कृपा से प्राप्त हुआ हो, वह क्या करे? रामचरितमानस में पुरुषार्थ के चरम आदर्श श्री लक्ष्मण जी और कृपा के चरम आदर्श श्री भरत जी दोनों के आदर्श और सर्वस्व श्रीराम हैं। इसका तात्पर्य यह है कि गोस्वामी तुलसीदास जी ने वाल्मीकि जी, व्यास जी और जितने भी श्रेष्ठतम पुराणकार हुए सबकी वंदना की है, पर उन्होंने अपने ग्रंथ में न तो इतिहास को उठाया, न किसी ग्रंथ से कुछ लिया।

अर्जुन को अपनी विद्या पर था घमंड, शिवजी ने तोड़ा था

संकलित
प्रेरणा

महाभारत का प्रसंग है। कोरव और पांडवों का युद्ध तय हो गया था। दोनों ही पक्ष युद्ध की तैयारियां कर रहे थे। उस समय अर्जुन ने एक पर्वत पर देवराज इंद्र से दिव्यास्त्र पाने के लिए तप किया। देवराज इंद्र प्रकट हुए और उन्होंने कहा कि मुझसे दिव्यास्त्र लेने से पहले तुम्हें शिव जी को प्रसन्न करना होगा। इंद्र देव की बात मानकर अर्जुन ने शिव जी को प्रसन्न करने तप शुरू कर दिया। जिस जगह अर्जुन तप कर रहे थे, वहां एक दिन एक जंगली सूअर आ गया। सूअर एक मायावी दैत्य था। अर्जुन ने जैसे ही जंगली सूअर को देखा, उन्होंने अपने धनुष पर बाण चढ़ा लिया। तभी वहां किरात वनवासी पहुंच गया। किरात वनवासी कोई और नहीं, बल्कि शिवजी ही थे, जो वेष बदलकर आए थे। वनवासी ने अर्जुन को बाण चलाने से रोक दिया और कहा कि ये मेरा शिकार है। ये बात सुनने के बाद भी अर्जुन ने तीर सूअर की ओर छोड़ दिया। वनवासी ने भी उसी समय बाण छोड़ दिया। अर्जुन और वनवासी के बाण एक साथ उस सूअर को लगे। सूअर तो मर गया, लेकिन इन दोनों के बीच विवाद होने लगा। ये विवाद युद्ध तक पहुंच गया। युद्ध के बीच में वनवासी का एक बाण अर्जुन को लग गया। इसके बाद अर्जुन ने कुछ देर के लिए युद्ध रोका और मिट्टी के एक शिवलिंग की पूजा की। पूजा में जो माला अर्जुन ने शिवलिंग पर चढ़ाई थी, वह उस वनवासी के गले में दिखाई देने लगी। ये देखकर अर्जुन समझ गए कि ये स्वयं शिव जी ही हैं।

ओपिनियन

समुद्र में दुश्मनों के लिए अदृश्य खतरा है आईएनएस सूरत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 जनवरी को मुंबई के नौसेना डॉकयार्ड में जिन तीन युद्धपोतों को भारतीय नौसेना में कमीशन किया, उनमें सबसे महत्वपूर्ण है 'आईएनएस सूरत'। यह युद्धपोत न केवल भारत की समुद्री सुरक्षा को मजबूत करेगा बल्कि वैश्विक स्तर पर भारत की शक्ति और सामरिक क्षमताओं को भी प्रदर्शित करेगा। इसकी उन्नत तकनीक, स्वदेशी निर्माण और तेज निर्माण प्रक्रिया इसे विशेष बनाते हैं। आईएनएस सूरत का निर्माण और संचालन भारतीय नौसेना के लिए एक ऐसा नया युग लेकर आया है, जो भविष्य में देश की रक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायक सिद्ध होगा। वास्तव में आईएनएस सूरत केवल एक युद्धपोत नहीं है बल्कि भारतीय नौसेना के भविष्य के लिए एक मार्गदर्शक है, साथ ही भारत के आत्मनिर्भर रक्षा उद्योग और उन्नत प्रौद्योगिकी के समन्वय का प्रतीक भी है। इसके सफल संचालन से भारतीय नौसेना अन्य आधुनिक युद्धपोतों और प्रणालियों के विकास की ओर अग्रसर होगी। आईएनएस सूरत को पर्यावरणीय मानकों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। इसमें इको-फ्रेंडली प्रौद्योगिकियों और ईंधन दक्षता को प्राथमिकता दी गई है। यह युद्धपोत न केवल ताकतवर है बल्कि समुद्री पर्यावरण के प्रति भी जिम्मेदार है। आईएनएस सूरत स्वदेशी रूप से निर्मित फ्रंटलाइन युद्धपोत और गाइडेड मिसाइल विध्वंसक जहाज है, जिसे अत्याधुनिक तकनीकों और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) से लैस किया गया है। इस युद्धपोत को इस प्रकार डिजाइन किया गया है कि यह दुश्मन के रडार से बचकर उस पर सटीक हमला भी कर सके।

इसके उन्नत स्टील्थ फीचर्स और उन्नत रडार सिस्टम इसे समुद्र में एक अद्वितीय ताकत बनाते हैं। आईएनएस सूरत भारतीय नौसेना के विशाखापत्तनम श्रेणी के स्टील्थ गाइडेड मिसाइल विध्वंसक पोतों में चौथा और परियोजना-15बी के तहत निर्मित विध्वंसक पोतों की श्रृंखला का अंतिम पोत है। इस युद्धपोत का नाम गुजरात के सूरत शहर के नाम पर रखा गया है, जो अपने व्यापार और औद्योगिक समृद्धि के लिए प्रसिद्ध है। आईएनएस सूरत में सतह से हवा में मार करने वाले दो वर्टिकल लांचर हैं, जिनसे एक बार में 16 ब्रह्मोस मिसाइलें दागी जा सकती हैं। इसके अतिरिक्त, इसमें रॉकेट लांचर और टॉरपीडो लांचर भी हैं, जो दुश्मन की पनडुब्बियों को नष्ट करने में सक्षम हैं। संयुक्त गैस और गैस प्रणोदन प्रणाली से संचालित यह युद्धपोत चार गैस टर्बाइनों से लैस है। समुद्री परीक्षणों के दौरान इसने 30 नॉट्स (लगभग 56 किलोमीटर प्रतिघंटा) की गति प्राप्त की। उन्नत सेंसर और रडार सिस्टम से लैस यह युद्धपोत किसी भी मौसम में, दिन और रात, दुश्मनों की गतिविधियों का पता लगाने में सक्षम है। इस पर चेतक, एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर (एएलएच), सी किंग और एमएच-60आर हेलीकॉप्टर संचालित किए जा सकते हैं। इसमें इंटीग्रेटेड ब्रिज सिस्टम और अत्याधुनिक नेविगेशन सिस्टम लगाया गया है, जो समुद्र में सटीक मार्गदर्शन सुनिश्चित करता है। आईएनएस सूरत का समुद्री परीक्षण 15 जून 2024 को शुरू हुआ था और 25 नवंबर 2024 को समाप्त हुआ। छह महीने से भी कम अवधि में इसने सभी परीक्षण पास कर लिए, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। परीक्षणों के दौरान इसने विभिन्न परिचालन स्थितियों में अपनी क्षमता और विश्वसनीयता को साबित किया। परीक्षणों के दौरान आईएनएस सूरत ने समुद्री सुरक्षा, दुश्मन पनडुब्बियों के खिलाफ ऑपरेशन और विभिन्न प्रकार की मिसाइलों तथा हथियारों की लांचिंग का सफल प्रदर्शन किया। इसमें 30 नॉट्स की गति प्राप्त करने और अत्यंत चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में संचालन क्षमता का परीक्षण किया गया। यह युद्धपोत सतह से सतह पर और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों से दुश्मन के ठिकानों पर सटीक हमला कर सकता है। सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें इसे दुश्मन के विमानों और ड्रोन के खिलाफ भी सक्षम बनाती हैं। आईएनएस सूरत भारतीय नौसेना के लिए एक अभूतपूर्व उपलब्धि और 'मेक इन इंडिया' अभियान का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। यह भारत की समुद्री शक्ति को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाला एक ऐसा अत्याधुनिक युद्धपोत है, जो समुद्र में दुश्मनों के लिए एक अदृश्य खतरा है। यह भारत के समुद्री क्षेत्र में सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भारतीय महासागरीय क्षेत्र में चीन और अन्य देशों की बढ़ती गतिविधियों के बीच आईएनएस सूरत का निर्माण भारत की रणनीतिक जरूरतों को पूरा करता है। कुल मिलाकर देखा जाए तो आईएनएस सूरत भारतीय नौसेना के लिए सामरिक दृष्टिकोण से बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

अंतर्मन

आज की पाती

स्टार्टअप और कौशल विकास बेरोजगारी का हल

आज से लगभग आठ वर्ष पहले केंद्र सरकार ने स्टार्टअप योजना को अमल में लाया था। इस योजना का मुख्य उद्देश्य देश की आर्थिक व्यवस्था की रीढ़, यानी उद्योगों को और मजबूत बनाना है। इससे रोजगार के अवसर भी बढ़ते हैं। इस योजना के तहत अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों के साथ-साथ महिला उद्यमियों को सब्सिडी भी मिलती है। सरकार इस योजना के अधीन उद्योगों को टैक्स में भी छूट देती है। हमारे देश में बेरोजगारी बहुत बड़ी समस्या है। देश के उद्योग जितने मजबूत होंगे उतने ही रोजगार उपलब्ध होंगे और देश की आर्थिक व्यवस्था मजबूत होगी।

- संदीप पटेल

करंट अफेयर

दिवंगत नवलनी के तीनों वकील जेल में डाले गए

रूस के दिवंगत विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी का प्रतिनिधित्व कर चुके तीन वकीलों को रूसी राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन की दमनात्मक कार्रवाई के तहत जेल में डाल दिया गया है। मॉस्को से करीब 100 किलोमीटर की दूरी पर स्थित पेतुस्की शहर की एक अदालत ने नवलनी के वकील रहे वादिम कोबजेव, इगोर सेरगुनिन और एलेक्सी लिपस्टर को साढ़े तीन से पांच साल तक की कैद की सजा सुनायी। उन्हें चरमपंथी संगठनों के साथ संबंध रखने के आरोपों में अक्टूबर 2023 को गिरफ्तार किया गया था। नवलनी के नेटवर्क को प्रशासन चरमपंथी गतिविधियां मानता था। इस मामले को व्यापक रूप से विपक्ष पर दबाव बढ़ाने के एक तरीके के रूप में देखा जा रहा है ताकि बचाव पक्ष के वकीलों को राजनीतिक मामले लेने से हतोत्साहित किया जा सके। नवलनी चरमपंथ सहित कई आपराधिक मामलों में 19 साल की जेल की सजा काट रहे थे। फरवरी 2023 में एक रूसी जेल में उनकी मृत्यु हो गई। स्वतंत्र रूसी अखबार 'नोवाया गजेटा' ने खबर दी है कि कोबजेव ने 10 जून को अदालत में अपने बयान में कहा, ''नवलनी के विचारों को अन्य लोगों तक पहुंचाने को लेकर हमपर मुकदमा चलाया जा रहा है।''

ऑफ बीट

ब्यूटी पार्लर में बाल धुलवाने से बीपीएसएस का खतरा

थकान मिटाने, 'फील गुड' करने और बालों की चमक बढ़ाने के लिए लोग अक्सर हेयर स्पा का सहारा लेते हैं। हालांकि, ब्यूटी पार्लर या सैलून में हेयर स्पा की प्रक्रिया के बाद बालों की धुलाई 'ब्यूटी पार्लर स्ट्रोक सिंड्रोम' (बीपीएसएस) नाम की एक गंभीर दुर्लभ स्वास्थ्य जटिलता का कारण बन सकती है। विभिन्न अध्ययनों से पता चला है कि ब्यूटी पार्लर या सैलून में बालों की धुलाई के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले 'बैकवॉश बेसिन' पर एक विशेष कोण पर सिर टिकाकर बैठने या लेटने से न सिर्फ गर्दन में दर्द और चोट की समस्या उभर सकती है, बल्कि कुछ मामलों में व्यक्ति के स्ट्रोक का भी शिकार होने का खतरा रहता है। अमेरिकी न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. माइकल वेनट्रॉब ने 1993 में पहली बार बीपीएसएस की पहचान की थी। उन्होंने पाया था कि स्ट्रोक से जुड़े गंभीर लक्षणों से जूझ रहे उनके कुछ मरीजों में ब्यूटी पार्लर या सैलून में बालों में शैंपू कराने के बाद ये समस्याएं उभरी थीं। स्ट्रोक एक तरह का मस्तिष्काघात है, जो मस्तिष्क में खून का प्रवाह घटने पर होता है। यह आमतौर पर मस्तिष्क में प्रमुख रक्त वाहिका में खून का थक्का जमने या उसके फटने के कारण होता है, जिससे कोशिकाओं को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन, ग्लूकोज व अन्य पोषक तत्व नहीं मिल पाते हैं और वे दम तोड़ देती हैं।

वित्तीय साक्षरता से अनभिज्ञ महिलाएं

महिलाओं में वित्तीय साक्षरता न होने के दो तरह के प्रभाव होते हैं। एक तो यह कि महिलाएं रुपए-पैसे के लेनदेन में पूरी तरह पुरुष रिश्तेदारों पर निर्भर हो जाती हैं। उनको ऐसा कुछ भी काम करने का आत्मविश्वास ही नहीं रहता और किसी वजह से वे रिश्तेदार नहीं रहते, तो उनका पूरा वित्तीय कामकाज ठप्प हो जाता है। दूसरे, वित्तीय साक्षरता की कमी की जिम्मेदार कई बार खुद कुछ महिलाएं भी होती हैं। वे इस काम को सीखने और करने में आलस करती हैं। आज के दौर में महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों से कदम से कदम मिला कर चल रही हैं, मगर फिर भी कई मामलों में वे पीछे रह जाती हैं। उनमें एक मुख्य क्षेत्र है महिलाओं की वित्तीय साक्षरता का। इस मामले में न केवल गरीब, ग्रामीण और अनपढ़ महिलाएं पीछे हैं, बल्कि शहरी मध्यवर्ग और उच्च वर्ग की पढ़ी-लिखी महिलाओं में भी वित्तीय साक्षरता और जानकारी का अभाव देखा जाता है। 'ग्लोबल फाइनेंशियल लिटरेसी एक्सीलेंस सेंटर' (जीएफएलई) द्वारा 2020-21 में जारी रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय वयस्क आबादी का केवल चौबीस प्रतिशत वित्तीय मामलों में साक्षर है। अन्य प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में भारत की वित्तीय साक्षरता दर सबसे कम है। महिलाओं के मामले में तो स्थिति और चिंताजनक है। यह राज्यवार चार प्रतिशत से 50 प्रतिशत के बीच है। महाराष्ट्र, दिल्ली और पश्चिम बंगाल जैसे महानगरीय क्षेत्रों में क्रमश: 17 प्रतिशत, 32 और 21 प्रतिशत की वित्तीय साक्षरता दर है। बिहार, राजस्थान, झारखंड और उत्तर प्रदेश जैसे राज्य, जहां गरीबी अधिक है, वहां साक्षरता दर कम है। ये आंकड़े अंतरराज्यीय असमानताओं को भी प्रदर्शित करते हैं। गोवा में महिलाओं की पचास प्रतिशत की उच्चतम वित्तीय साक्षरता दर है, जबकि छत्तीसगढ़ में वित्तीय साक्षरता की भारी कमी है। वहां वित्तीय साक्षरता दर सबसे कम, मात्र चार प्रतिशत, है। आजकल जब बैंकों के माध्यम से लेनदेन बढ़ रहा है, क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड का चलन आम हो गया है और अब तो इसके आगे 'कैशलेस' लेनदेन पर जोर बढ़ रहा है, तब महिलाओं का एक बहुत बड़ा वर्ग बैंक के सामान्य कामकाज भी नही कर पाता। बैंक में रुपया जमा कराने या निकालने का काम हो या एटीएम कार्ड का उपयोग करना, सभी कामों के लिए अधिकांश महिलाएं अपने पति, पुत्र, भाई या किसी अन्य रिश्तेदार पर निर्भर हैं।इसका महिलाओं को कई बार खमियाजा भी भुगतना पड़ता है। उनके खाते से बड़ी रकम का गबन भी हो जाता है। कम निकालने का कह कर ज्यादा रकम उनके खाते से निकाल ली जाती है। एटीएम का गलत उपयोग कर लिया जाता है। बिना उस महिला की जानकारी के उसके खाते में अपना नामांकन करा लिया जाता है। खाली चेक पर हस्ताक्षर करा लिए जाते हैं, फिर मनमानी रकम भरकर निकाल ली जाती है। थोड़ा बहुत आनलाइन व्यवहार करने वाली महिला को 'रिवार्ड पाइंट' के आधार पर या नकद राशि मिलने के नाम पर 'ओटीपी' मांग कर या कोई लिंक भेज कर उस पर क्लिक करवा कर उसके बैंक खाते में जमा रकम साफ कर दी जाती है। इस तरह की बहुत-सी घटनाओं की खबरें आए दिन अखबारों में छपती रहती हैं।

पंचांग

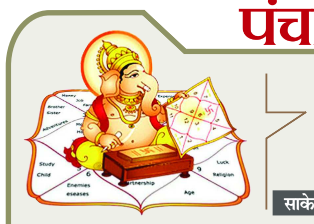

ज्योतिर्विद्
अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 22/01/2025

सूर्योदय : 07:20 **सूर्यास्त :** 17:56 **चन्द्रोदय :** 00:45 **चन्द्रास्त :** 11:57 **शक सम्वत :** 1946 क्रोधी **अमान्ता महीना :** पौष **पूर्णिमांत :** माघ **सूर्य राशि :** मकर **चन्द्र राशि :** तुला **पक्ष :** कृष्ण **तिथि :** अष्टमी, 15:16 तक **चन्द्रमास माघ :** पूर्णिमान्त **विक्रम सम्वत :** 2081 पिङ्गल **पौष :** अमान्त **गुजराती सम्वत :** 2081 नल **प्रविष्टे/गते :** 9 **वार :** बुधवार

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : स्वाति, 26:26 तक
योग : शुला, 28:33 तक
प्रथम करण : कौवाला, 15:16 तक
द्वितिय करण : तैतिल, 28:30 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	05:27 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	05:53 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:19 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	05:50 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	05:52 पी एम से
अमृत काल	04:41 पी एम से
निशिता मुहूर्त	12:06 ए एम, जनवरी 23 से 12:59 ए एम, जनवरी 23

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
चन्द्रवास : पश्चिम
कुंभ चक्र: तल

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया
लाभ	: 07:19 - 08:38	उद्वेग : 17:56 - 19:36
अमृत	: 08:38 - 09:58	शुभ : 19:36 - 21:16
काल काल वेला	: 09:58 - 11:18	अमृत : 21:16 - 22:57
शुभ	: 11:18 - 12:37	चर : 22:57 - 00:37
रोग वार वेला	: 12:37 - 13:57	रोग : 00:37 - 02:17
उद्वेग	: 13:57 - 15:16	काल : 02:17 - 03:58
चर	: 15:16 - 16:36	लाभ : 03:58 - 05:38
लाभ	: 16:36 - 17:56	उद्वेग : 05:38 - 07:19

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज अष्टमी

आज कौन सा कार्य करें

अष्टमी : संग्राम, वास्तु, शिल्प, लेखन, स्त्री, रत्न धारण, आभूषण खरीदना ये सब अष्टमी को शुभ हैं।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋय दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

पौष, कृष्ण, अष्टमी, 2081 बुधवार, 22 जनवरी - 28 जनवरी, 2025

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
अपने काम की गुणवत्ता पर ध्यान दें। उच्च अधिकारी आपसे अचानक किसी महत्वपूर्ण मुद्दे पर जानकारी ले सकते हैं। विवाहेतर सम्बन्धों से बचना चाहिये अन्यथा प्रतिष्ठा में आँच आ सकती है।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
बच्चों पर अपनी मर्जी और इच्छाओं को न थोपें। विरोधियों के निशाने पर आ सकते हैं। आपको समाज में प्रसिद्धि मिल सकती है। उच्च अधिकारियों से आपको सम्मान मिलेगा।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
सप्ताह की शुरुआत सुखद रहेगी। आपकी मनःस्थिति काफी अच्छी रहेगी। सन्तान को करियर में शानदार सफलता मिलेगी। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलने के योग बन रहे हैं।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
अध्यात्मिक चिन्तन में मन लगेगा। नये व्यवसाय की योजना बना सकते हैं। पारिवारिक वातावरण सामान्य रहेगा। आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे। आपके सभी कार्य समय पर पूरे हो जायेंगे।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]
विदेश में कार्यरत लोगों को सम्मान मिल सकता है। व्यवसाय में रुके हुये कार्यों में सफलता मिलेगी। जॉब में बदलाव करने का विचार बनायेंगे। प्रेम सम्बन्धों में कुछ प्रतिकूलता रहेगी।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
सप्ताह की शुरुआत बहुत ही अच्छी रहेगी। कुटुम्बजनों के साथ मधुर सम्बन्ध रहेंगे। लोगो का विश्वास आपके प्रति बढ़ेगा। पूरा सप्ताह लगभग शान्ति से ही व्यतीत होगा। नये विचार आयेंगे।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
जीवनसाथी आपके मनोबल को बढ़ायेगा। कारोबार में अच्छे आर्डर मिल सकते हैं। प्रशासन से जुड़े लोगों के लिये सप्ताह अच्छा होगा। आपका सम्मान बढेगा। मंगलवार और बुधवार शुभ दिन सिद्ध होंगे।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
व्यापार में बढ़ोत्तरी करने के लिये भाग-दौड़ ज्यादा करनी पड़ेगी। बच्चों में आत्मविश्वास में कमी देखने को मिल सकती है। प्रेम सम्बन्धों की समस्याओं को बातचीत से सुलझायें।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
किडनी के रोगियों को परेशानी हो सकती है। गरिष्ठ भोजन करने से बचें। धन खर्च करने में कन्जूसी न रखें। निराशाजनक विचारों से दूर रहना चाहिये। भरपूर मात्रा में नींद अवश्य लें।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
कुछ नयी शुरुआत करने के लिये यह सप्ताह बहुत ही शानदार रहेगा। बच्चों के व्यवहार से प्रसन्न रहेंगे। घर में सुख-समृद्धि रहेगी।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
आय के नये स्रोत विकसित होंगे। काम की अधिकता के बावजूद अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों को अच्छी तरह निभायेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

अधिकारी- कर्मचारियों का ड्रेस कोड़ः 350 सीसीटीवी, 10 नए ब्लाक, 40 फीट में होगी बैरिकेडिंग

खाटू श्यामजी मेलाः श्रद्धालुओं के बदलेंगे नियम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। हर साल विश्व प्रसिद्ध खाटू श्यामजी बाबा का सतरंगी फाल्गुनी लक्खी मेला लगता है। इसमें लाखों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन करनेके लिए आतेहैं। वहीं इस मेलेकी भीड़ को देखते हुए प्रशासन भी अपनी तरफ सेइसकी पहलेसेही तैयारियों में लग जाता है। बीते दिनों मेले को लेकर मजिस्ट्रेट कार्यालय में उपखंड अधिकारी मोनिका सामोर और तहसीलदार महिपाल सिंह राजावत नेतैयारी व्यवस्थाओं को लेकर बैठक ली और उपखंड स्तरीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान बैठक में निर्णय लिया गया कि वीआईपी दर्शन के लिए भीड़, बैरिकेडिंग पाइंट पर होनेवालेहादसों को कै सेरोंके और ट्रैफि क को देखते हुए मेले में आने वाले वाहनों को मंडा ग्राम में ही रोका जाए। इसके बाद मंडा से खाटू श्यामजी तक सड़क मार्ग पर अलग से पैदल मार्ग बनाए जाने पर चर्चा हुई।

दूर होगी बसों की पार्किंग

साथ ही उपखंड अधिकारी और तहसीलदार ने कहा बसों के लिए अलग से प्रवेश मार्ग होना चाहिए। इनके लिए पार्किंग सांवलपुरा में सुनिश्चित की जाए। मेले में अधिकारी और कर्मचारियों का ड्रेस कोड़ में होना चाहिए। पानी की समस्या को लेकर दो अतिरिक्त ट्यूबवेल बनाने की बात हुई है। साथ ही कंट्रोल रूम स्थापित करने, मेले के दौरान प्रत्येक विभाग की टेबल पर एक कर्मचारी होना उपस्थित सुनिश्चित करें। अधिकारियों ने आगे बताया कि चारण मेला ग्राउंड में पानी का छिड़काव करने और खोया पाया विभाग में बड़ी एल ईडी लगाने, मेले के दौरान 350 सीसीटीवी कै मरे लगाने की भी बैठक में चर्चा हुई।

श्रद्धालुओं के लिए बनेंगे अस्थाई गेट

इसके साथ दांता रोड़ धूड मंडी से लेकर गोल्डन वाटर पार्क तक स्थाई और अस्थाई अतिक्रमण हटाया जाएगा और 5 बड़े बैलून लगाए जाएंगे। साथ ही रास्ते कीसभी नालियों की साफ सफाई औररथयात्रा मार्ग की नालियों के मरम्मत होगी। चारण मेला मैदान में 10 ब्लाक बनाए जाएं गे और 40 फीट मैदान में बैरिकेडिंग मजबूत करने और श्रद्धालुओं के निशान सेन्टर खुले में बनाने। साथ ही भीड़ को नियंत्रित करने के लिए ज्यादा सेज्यादा अस्थाई गेट लगाए जाएं गे। सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने को लेकर मेला अवधि एक माह करने सहित अनेक बिंदुओं पर चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

सभी अधिकारी रहे मौजूद

इस दौरान बैठक में प्रशासन अधिकारी मौजूद रहे। इसमें थानाधिकारी, विद्युत विभाग के एईएन अश्विनी कुमार, बीसीएमएचओ डॉ. नितेश कुमार शर्मा, श्री श्याम मंदिर कमेटी से भानु प्रकाश सरोज, विकास शर्मा, जलदाय विभाग, नगर पालिका के स्वास्थ्य निरीक्ष, पुलिस, पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारी शामिल थे।

फाल्गुन का लक्खी मेला- 2025

श्री श्याम मंदिर कमेटी ने 2025 में होने वाले लक्खी मेले में इस साल बाबा खाटू श्याम का लक्खी मेला फाल्गुन महीने में आयोजित होगा। बाबा श्याम को सुजानगढ़ का निशान चढ़ाने के बाद मेले का समापन माना जाता हैं। फाल्गुन महीने में शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को इस मेले का मुख्य दिन होता है। यह मेला षष्ठी से द्वादशी तक 10 दिनों के लिए आयोजित किया जाता है। इस दौरान लाखों भक्त आते हैं । लक्खी मेला के पीछे एक पौराणिक कथा जुड़ी है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, फाल्गुन की द्वादशी तिथि को भगवान श्रीकृष्ण के कहने पर बर्बरीक नेसिर काटकर उनके चरणों में अर्पित कर दिया था।

देवनानी ने देश हित में कार्य करने के लिए कर्मचारियों का किया आव्हान

शपथ लेना सरल मगर इसको निभाना कठिन -देवनानी

देवनानी ने राजस्थान राजस्व मंत्रालयिक कर्मचारी संघ के नव निर्वाचित पदाधिकारियों को दिलाई शपथ

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने राज्य कर्मचारियों का आव्हान किया है कि वे ईमानदारी व निष्ठा और संवेदनशीलता से कार्य कर राज्य सरकार के जनहितकारी सकल्पों को पूरा करने में सक्रिय भागीदारी निभाए। उन्होंने कहा कि कर्मचारीगण समय पर आए, समय पर जाए और जनहित के कार्य कर राजस्थान की माटी को यश दिलाएं।

विधान सभा अध्यक्ष देवनानी यहा जयपुर कलेक्ट्रेट में नव निर्वाचित राजस्व मंत्रालयिक संघ की कार्यकारिणी को शपथ दिलाई। देवनानी ने सभी कर्मचारियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि कर्म और भाग्य हमारे जीवनरुपी लॉकर की दो चाबियां है। राज्य हित में राजकीय कार्यों का ईमानदारी व निष्ठा से सम्पादन आवश्यक है। देवनानी ने कहा कि राज्य कर्मचारीगण को राजकीय कार्यों में ऐसा वातावरण बनाया जाना आवश्यक है जिससे आमजन के सभी कार्य आसानी से हो सके और कोई भी जन निराश होकर न जाए। उन्होंने कहा कि हमारी सोच सकारात्मक होनी चाहिए और जनता की समस्याओं का हल किया जाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। देवनानी ने कहा कि कर्मचारीगण नई तकनीक सीखने के लिए सदैव तत्पर रहें और नवाचारों और रचनात्मक सोच के साथ राजकीय कार्यो को सम्पादित करें।

'द ढूंढाड टॉक्स-2025' का सफल आयोजन

भारत केवल मिट्टी का टुकडा नहीं है यह जीता जागता राष्ट्र-देवनानी

जयपुर @ जागरूक जनता। आज पूरी दुनिया विभिन्न समस्याओं से त्रस्त है। भारत का विचार 'वसुधैव कुटुंबकम' विश्व की इन समस्त समस्याओं का समाधान है। यह बात प्रखर वक्ता एवं आरएचआरडी संरक्षण जसवंत खत्री ने कही। जसवंत खत्री प्रदीप गोपाल स्मृति न्यास सांगानेर, ए.यू बैंक एवं पूर्णिमा ग्रुप के संयुक्त तत्वावधान में सीतापुरा स्थित पूर्णिमा इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नॉलॉजी मे चल रहे दो दिवसीय 'द ढूंढाड टॉक्स-2025' कार्यक्रम के समापन समारोह को संबोधित करते हुए बोल रहे थे। मुख्य अतिथि विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि भारत केवल मिट्टी का टुकडा नहीं है यह जीता जागता राष्ट्र है। इसने दुनिया को हर क्षेत्र में 'आइना' दिखाया है। भारत दुनिया में आदि काल से विश्वगुरू था, है और भविष्य में भी विश्वगुरू रहेगा। 'राजस्थान का अनछुआ गौरव' विषयक छठवें सत्र को संबोधित करते हुए लेखक, वक्ता एवं इतिहास विशेषज्ञ राजवीर चकलोई ने कहा कि हमारा समाज जिंदादिल समाज है। कई आक्रांता आए कई गए लेकिन हमारे समाज और संस्कृति को खत्म नही कर पाए। भले ही मंदिर-मूर्तियां को तोडा। लेकिन फिर भी वो समाज को संस्कृति से अलग नहीं कर पाए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किया राजस्थान मण्डप का अवलोकन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रयागराज महाकुम्भ के अवसर पर राजस्थान मण्डप का अवलोकन किया। उन्होंने यहां यात्रियों के लिये बनाए पंडाल व प्रचार-प्रसार से सम्बंधित आकर्षक फोटोज, रोचक दृश्य श्रव्य सामग्री आदि के साथ ही यात्रियों के ठहराव की उत्कृष्ट व्यवस्थाओं पर खुशी जताई। मुख्यमंत्री शर्मा ने राजस्थान के श्रद्धालुओं को राज्य सरकार द्वारा अल्पकालिक प्रवास हेतु सुविधाएं प्रदत्त करने के उद्देश्य से निर्मित किये गए राजस्थान मंडप में ही रात्रि विश्राम किया। गौरतलब है कि 144 वर्षों के लिये स्मरणीय आस्था के इस महापर्व प्रयागराज महाकुम्भ में राजस्थान के साथ ही साथ पूरे देश से श्रद्धालुओं की भीड़ पूर्ण उत्साह से उमड़ रही है जो निश्चित रूप से सनातन संस्कृति को और समृद्ध बना रही है।

डॉ. अनन्त शर्मा जेड आरयूसीसी सदस्य मनोनीत

जयपुर @ जागरूक जनता। देश के प्रमुख उपभोक्ता आंदोलनकारी और कंज्यूमर कॉन्फेडरेशन के नेशनल चेयरमैनडॉ. अनन्त शर्मा को उत्तर-पश्चिम रेलवे जेड आरयूसीसी का सदस्य बनाया गया है। उनकी नियुक्ति केन्द्रीय रेलमंत्री द्वारा की गई। डॉ. अनन्त शर्मा सेंट्रल काउंसिल ऑफ वीसीए एंडपीसीए के भी नेशनल चेयरमैन हैं। वे अग्रणी उपभोक्ता संस्था केन्स के अध्यक्ष हैं और भारतीय मानक ब्यूरो की एक्जीक्यूटिव कमेटी में भी सदस्य हैं। डॉ.शर्मा विश्व मानक संगठन के भी विशेषज्ञ सदस्य हैं और अनेक देशों में उपभोक्ता संरक्षण क्षेत्र में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। वे आईकेन के भी अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष हैं।

यूईएम ने किया शर्मा को "उद्योग नेतृत्व में उत्कृष्टता को मान्यता" पुरस्कार से सम्मानित

जयपुर @ जागरूक जनता। यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (यूईएम), जयपुर की सर्च कमेटी ने Gallop and Bounce के फाउंडर डायरेक्टर गौरव शर्मा को कॉर्पोरेट जगत में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित "उद्योग नेतृत्व में उत्कृष्टता को मान्यता" पुरस्कार से सम्मानित किया है। पुरस्कार समारोह 17 जनवरी, 2025 को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी), संस्थान पथ, झालाना, जयपुर में संपन्न हुआ । इस अवसर पर गौरव शर्मा ने बताया की यह पुरुस्कार उनके जीवन में बहुत अहमियत रखता है जिसके लिए में (यूईएम) का दिल से आभार व्यक्त करता हूँ । इस मौके पुरस्कार प्रस्तुति के अलावा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 पर एक पैनल चर्चा की की गई, जिसका विषय "नए भारत के लिए शिक्षा में बदलाव पारंपरिक और आधुनिक शिक्षा प्रणालियों के बीच की खाई को पाटना" था। इस कार्यक्रम में राजस्थान सरकार की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी और राजस्थान सरकार के स्कूल शिक्षा और पंचायत राज विभाग के कैबिनेट मंत्री मदन दिलावर जैसे प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। इस समारोह में अग्रणी संगठनों के शीर्ष उद्यमी, सीईओ और प्रबंध निदेशक भी शामिल हुए। यह कार्यक्रम एक विचारोत्तेजक सत्र हुआ, जिसमें शिक्षा प्रणाली के भविष्य पर मुख्य भाषण और व्यावहारिक पैनल चर्चाएं की गयी।

रिक्को क्षेत्र के विद्युत बिलो से अर्बन सेस हटेगा

जयपुर @ जागरूक जनता। सीकर/ अजमेर विद्युत वितरण निगम के रिक्को क्षेत्र के उपभोक्ताओं के इस माह के विद्युत बिलों में अर्बन सेस लगकर आया है जो कि पूर्व में लघु उद्योग भारती के प्रयासों से हटाया जा चुका था।लघु उद्योग भारती के जयपुर अंचल अध्यक्ष सुधीर कुमार गर्ग एवं सीकर ईकाई संरक्षक रामनिवास रॉयल ने जानकारी देते हुए बताया कि इस सम्बन्ध में अजमेर विद्युत वितरण निगम के सम्बंधित अधिकारीयो से लघु उद्योग भारती ने बात कर स्मरण कराते हुएं कहा कि यह अर्बन सेस रिक्को क्षेत्र के उपभोक्ताओं पर लागू नहीं है अतः हटाने का कष्ट करें। इस पर आधिकारियों ने सहमति जताई है। AVVNL के उपभोक्ता बिलडेस्क पर चेक कर लें अर्बन सेस कम हो गया होगा। नहीं हुआ तो अगले बिल में क्रेडिट मिल जाएगी। फ़िर भी कोई दिक्कत हो तो सुधीर कुमार गर्ग 9414039506 से सम्पर्क करें।

राज किसान साथी पोर्टल की समीक्षा बैठक

राज किसान सुविधा ऐप किसानों के लिए एकीकृत ऑन-लाईन प्लेटफार्म-विशाल

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल ने पंत कृषि भवन में राज किसान साथी पोर्टल की समीक्षा बैठक का आयोजन कर राज किसान साथी प्रकोष्ठ का निरीक्षण किया।

शासन सचिव ने बताया कि राज किसान साथी पोर्टल किसानों, कृषि व्यवसाय वर्ग और ई-गवर्नेंस की सुविधा के लिए एक बहुउद्देशीय एण्ड टू एण्ड आईसीटी पहल है, जो कृषि, बागवानी राजस्थान कृषि विपणन बोर्ड, राजस्थान राज्य बीज निगम की योजनाओं एवं सेवाओं के अन्तर्गत ऑन-लाईन आवेदन से लेकर व्यक्तिगत लाभार्थी योजनाओं में डीबीटी प्रक्रिया को दक्ष बनाता है। यह राज्य के विशाल कृषि समुदाय और विभिन्न हितधारकों जैसे कृषि इनपुट और मशीनरी निर्माताओं, डीलरों, बीज उत्पादकों और कृषि प्रोसेसरों को सुविधा प्रदान करता है। राजन विशाल ने राज किसान साथी पर कृषि ज्ञान धारा कार्यक्रम को भी अपलोड करने एवं कस्टम हायरिंग सेन्टरों की टेर्अनिंग डिस्ट्रिक्ट लेवल पर करवाये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि राज किसान सुविधा ऐप किसानों के लिए एकल एकीकृत ऑन-लाईन प्लेटफार्म है, जिस पर अब तक 97 लाख कृषक पंजीकृत है तथा 17.3 लाख किसानों द्वारा अनुदान हेतु आवेदन किया जा चुका है। पोर्टल द्वारा 2840 करोड रूपये का डीबीटी द्वारा अनुदान दिया जा चुका है तथा कृषि संकाय से अध्ययनरत 59 हजार छात्राओं को 108 करोड रूपये की प्रोत्साहन राशि वितरित की जा चुकी है। इस पोर्टल में कृषि, बागवानी, कृषि विपणन, बीज निगम आदि के आवेदन से लेकर प्रत्यक्ष लाभ अन्तरण तथा जन आधार के माध्यम से सभी योजनाओं व अनुदान का लाभ प्राप्त करने के लिए स्व-पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध है। पोर्टल पर बीज, उर्वरक एवं कीटनाशकों के लाईसेन्स के लिए ऑन-लाईन पंजीकरण एवं नवीनीकरण की सुविधा भी उपलब्ध है। इस दौरान आयुक्त कृषि चिन्मयी गोपाल एवं आयुक्त उद्यानिकी सुरेश कुमार ओला सहित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

प्रयागराज के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने जारी किया बड़ा आदेश और चेतावनी भी

महाकुंभ में कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए 28 फरवरी तक निषेधाज्ञा रहेगी लागू, व्यवधान किया तो होगी कड़ी कार्रवाई

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने शुक्रवार को 28 फरवरी तक पूरे जिले में निषेधाज्ञा आदेश पारित किया गया है। घोषणा में कहा गया है कि आने वाले दिनों में विभिन्न धर्मों/संप्रदायों के त्योहार जैसे महाकुंभ 2025/अमृत स्नान, जननायक कर्पूरी ठाकुर जन्म दिवस, गणतंत्र दिवस, मौनी अमावस्या, बसंत पंचमी, संत रविदास जयंती, माघी पूर्णिमा, वेलेंटाइन डे, शब- ई-बारात, महाशिवरात्रि, अन्य त्योहार और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। एसीपी ने कहा कि जिले में उक्त त्योहारों के दृष्टिगत शांति व्यवस्था बनाने की नितांत आवश्यकता है। विभिन्न धर्मों/संप्रदायों के त्योहारों तथा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं को सुरक्षित संपन्न कराने असामाजिक तत्वों के सभी प्रयासों को रोकना आवश्यक है। स्थिति की नजाकत को देखते हुए दूसरे पक्ष/पक्षों को सुने अथवा नोटिस दिए बिना पारित एकतरफा आदेश के लिए पर्याप्त कारण प्रस्तुत किया गया है।

आदेश की विशिष्टताएं

1. कोई भी व्यक्ति सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना किसी भी प्रकार का आयोजन, जुलूस, शोभायात्रा, अनशन, धरना, प्रदर्शन आदि नहीं करेगा।
2. कोई भी व्यक्ति/संगठन/व्यक्तियों का समूह धरना स्थल (पत्थर चर्च के पास) के अलावा कहीं भी धरना-प्रदर्शन नहीं करेगा।
3. सक्षम अधिकारी की पूर्वानुमति के बिना कहीं भी ड्रोन का प्रयोग नहीं करेगा। केवल पुलिस एवं प्रशासनिक कार्यों में प्रयुक्त ड्रोन ही इस प्रतिबंध से मुक्त रहेंगे।
4. कोई भी व्यक्ति लाठी, डंडा (विकलांग/बुजुर्ग तथा सिख समुदाय के कृपाण धारण करने वालों को छोड़कर), कुल्हाड़ी, डंडा एवं किसी भी प्रकार का घातक हथियार या आग्नेयास्त्र लेकर नहीं चलेगा। केवल पुलिस एवं प्रशासनिक कर्मचारी एवं अधिकारी ही इस प्रतिबन्ध से मुक्त रहेंगे।
5. कोई भी व्यक्ति, किसी समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला कोई भड़काऊ भाषण नहीं देगा

आने वाले दिनों में विभिन्न धर्मों/संप्रदायों के त्योहार जैसे महाकुंभ 2025/अमृत स्नान, जननायक कर्पूरी ठाकुर जन्म दिवस, गणतंत्र दिवस, मौनी अमावस्या, बसंत पंचमी, संत रविदास जयंती, माघी पूर्णिमा, वेलेंटाइन डे, शब- ई-बारात, महाशिवरात्रि, अन्य त्योहार और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। एसीपी ने कहा कि जिले में उक्त त्योहारों के दृष्टिगत शांति व्यवस्था बनाये रखने की नितांत आवश्यकता है

शांति व्यवस्था बनाना हमारी प्राथमिकता

एसीपी ने कहा कि विश्वसनीय स्रोतों से प्राप्त जानकारी के आधार पर मुझे विश्वास है कि असामाजिक तत्वों द्वारा कानून में व्यवधान पैदा करने की संभावना है। उन्होंने कहा कि जिले की सांप्रदायिक संवेदनशीलता को देखते हुए एवं जिले में उक्त त्योहारों के दृष्टिगत शांति व्यवस्था बनए रखने की नितांत आवश्यकता है।

महाकुंभ में नागा संन्यासियों ने किया हंगामा, फाड़े बैनर पोस्टर

महाकुंभ मेले के दौरान एक बड़ा विवाद सामने आया है, जब कुछ युवाओं ने महाकुंभ को अंधविश्वास बताने वाले पोस्टर और बैनर लगाकर स्टॉल लगाया। इससे नाराज होकर नागा संन्यासियों ने मौके पर पहुंचकर स्टॉल में तोड़फोड़ की और पोस्टरों को आग के हवाले कर दिया। इस घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

भड़के साधु, टिकैत भी परेशान

नागा संन्यासियों ने स्टॉल में तोड़फोड़ की। उन्होंने सनातन विरोधी साहित्य और पोस्टरों को भी आग के हवाले कर दिया। किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि इस प्रकार के तत्वों को यहां से निकाल देना चाहिए।

6 दिन में 7 करोड़ श्रद्धालुओं ने किया स्नान

पवित्र संगम में श्रद्धा और आस्था से ओत-प्रोत साधु-संतों, श्रद्धालुओं, कल्पवासियों, स्नानार्थियों और गृहस्थों का स्नान नए रिकॉर्ड स्थापित कर रहा है। 11 जनवरी से 16 जनवरी के बीच 7 करोड़ से ज्यादा लोगों ने संगम में आस्था की डुबकी लगाई है। गुरुवार को 30 लाख से ज्यादा लोगों ने स्नान लाभ लिया।

सीएम सैनी का ऐलान

हरियाणा के गरीब बुजुर्गों को अपने खर्चे पर महाकुंभ भेजेगी सरकार

हरियाणा सरकार ने महाकुंभ को लेकर बड़ा फैसला किया है। सरकार ने राज्य के गरीब परिवारों के बुजुर्गों को महाकुंभ के दर्शन कराने का फैसला किया है। उन्हें मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत प्रयागराज ले जाया जाएगा यानी सरकारी खर्च पर वे महाकुंभ में स्नान कर पाएंगे।

रवि किशन ने लगाई डुबकी

सब देखें सनातन संस्कृति का महाकुंभ

महाकुंभ में आस्था का जनसैलाब देखते ही बन रहा है। मां गंगा के तट पर सनातन धर्मियों का जमावड़ा है। शुक्रवार को गोरखपुर के सांसद, भाजपा नेता व बॉलीवुड एक्टर रवि किशन ने प्रयागराज के त्रिवेणी घाट पर स्नान किया। उन्होंने साधु संतों आशीर्वाद भी लिया। रवि किशन ने महाकुंभ की तैयारी की जमकर तारीफ की। रवि किशन ने कहा कि अखिलेश यादव को भी यहां आकर आस्था की डुबकी लगानी चाहिए। उन्हें सनातन संस्कृति के बारे में और अच्छा ज्ञान मिलेगा।

अभय सिंह ने खोले राज

आईआईटी बाबा ने श्मशान में खाईं हड्डियां

आईआईटी बाबा अभय सिंह महाकुंभ 2025 में काफी ज्यादा वायरल हो रहे हैं। अब बाबा ने बताया कि उन्होंने अघोर साधना की है। साथ ही, उनके साथ भविष्य में क्या-क्या होगा, इसके बारे में भी बताया था। अघोरी ने आईआईटी बाबा को हड्डी भी खिलाई थी।

कार्यानुभव ग्रामीण जागरूकता के विद्यार्थियों को प्राकृतिक खेती के बारे में जागरूक किया

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सामुदायिक एवं व्यावहारिक विज्ञान महाविद्यालय में अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए छः दिवसीय कार्यानुभव ग्रामीण जागरूकता अभिविन्यास कार्यक्रम 13 से 18 जनवरी तक आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अंतिम दिन मुख्य अतिथि डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक, कुलपति, मप्र कृ. प्रौ. विश्वविद्यालय एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. एसके शर्मा, अतिरिक्त महानिदेशक, आईसीएआर, नई दिल्ली थे। मुख्य अतिथि डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक, कुलपति, मप्रकृप्रौ. विश्वविद्यालय ने अंतिम वर्ष के छात्रों को कृषक परिवारों के साथ कार्य करने हेतु मार्गदर्शन दिया और उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती विषय को पहली बार रावे प्रोग्राम में लिया गया है। विभिन्न वैज्ञानिकों द्वारा कृषि एवं संबंधित विषयों पर उन्नत तकनीकियाँ विकसित की गई है इन्हें कृषक परिवारों के घर-घर तक पहुंचाने का कार्य करें। कार्यक्रम के दौरान विशिष्ट अतिथि डॉ. एस. के शर्मा द्वारा जैव विविधता संरक्षण और टिकाऊ फसल उत्पादन चक्र के लिए प्राकृतिक खेती पर विशेष वार्ता रखी गई। जिसमें उन्होंने छात्रों को प्राकृतिक खेती एवं जैविक खेती के अंतर को समझाया और पर्यावरण संरक्षण के लिए प्राकृतिक खेती के फायदे बताएं। उन्होंने कहा कि कम खर्च में किसान मोटा मुनाफा कमा सकते हैं। प्राकृतिक खेती को केरियर के रूप अपनाने हेतु छात्रों को प्रेरित किया। स्वागत उद्बोधन में डॉ. धृति सोलंकी बताया कि विद्यार्थियों के लिए प्रत्येक वर्ष कृषि विज्ञान केन्द्रों में 10 सप्ताह का कार्यानुभव ग्रामीण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाता है इस बार अंतिम वर्ष के छात्र चितौड़गढ़ एवं वल्लभनगर में जायेगे। जहां वे किसान परिवारों के साथ अपने अनुभव साझा करेंगे एवं कृषि तकनीकियों को किसानों तक पहुंचाएंगे और किसानों के अनुभवों को स्वयं भी अर्जित करेंगे। विगत पांच दिन से डॉ. लतिका व्यास, प्रोफेसर प्रसार शिक्षा निदेशालय के मार्गदर्शन में छात्र कृषि विज्ञान केन्द्रों पर कार्य की रुपरेखा के बारे में जानकारी ले रहे है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विशाखा बंसल, कार्यक्रम समन्वक द्वारा किया गया। कार्यक्रम में आर. एल सोनी, निदेशक प्रसार शिक्षा सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

कहा, डीसी और एसपी मिलकर नशे के खिलाफ चलाए ज्वाइंट ऑपरेशन

डंकी रूट से युवाओं को विदेश भेजने वालों की पहचान कर करें कड़ी कार्रवाई: नायब

मुख्यमंत्री सैनी ने जिला उपायुक्तों और पुलिस अधीक्षकों की संयुक्त बैठक ली

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने डंकी रूट के माध्यम से प्रदेश के युवाओं को विदेश भेजने वालों की पहचान कर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि कोई भी युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ न कर सके। साथ ही चिट फंड व अन्य तरीके से लोगों का पैसा कई गुणा करने का झांसा देने वालों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश देते हुए कहा कि यदि कोई अनियमित तरीके से पैसा जमा कराने की योजना संचालित करता है, तो उसके द्वारा खरीदी गई सम्पति की रजिस्टरी पर बैन लगाने का फैसला भी लिया गया है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शुक्रवार को प्रदेश के सभी उपायुक्तों और पुलिस अधीक्षकों की आयोजित संयुक्त बैठक की अध्यक्षता कर उन्हें कानून व्यवस्था, महिलाओं के विरुद्ध अपराध, नशे पर प्रहार, बाल श्रम और अवैध खनन सहित अन्य अहम मुद्दों पर आपसी समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए। करनाल के मधुबन पुलिस कॉम्प्लेक्स में आयोजित इस बैठक में हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण भी मौजूद रहे। बैठक में मुख्य सचिव डॉ. विवेक जोशी, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण कुमार गुप्ता, पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर, विभिन्न विभागों के प्रशासनिक सचिव सहित सभी जिला उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक व अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने सभी उपायुक्तों और पुलिस अधीक्षकों को गांवो में रात्रि ठहराव के निर्देश देते हुए कहा है कि हरियाणा के हर व्यक्ति को न्याय दिलवाना और उनके कष्ट दूर करना हम सभी का कर्तव्य है। इसके लिए सभी अधिकारी गांव में रात्रि ठहराव करना सुनिश्चित करें और लोगों के बीच रहकर उनकी समस्याओं को सुनते हुए उनका समाधान करें। साधनहीन और कम साधन वाले परिवारों के हितों की रक्षा करने में किसी भी प्रकार की कोताही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि फील्ड में उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक सरकार का चेहरा है और प्रदेश की जनता को उनसे आशाएं और आकांक्षाएं हैं। सभी अधिकारी आपसी सामंजस्य से कार्य करते हुए लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने का कार्य करें। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा की वे प्रशासनिक कार्यक्षमता को बढ़ावा देते हुए सुनिश्चित करें कि सरकार की विभिन कल्याणकारी नीतियों और कार्यक्रमों का लाभ आम जनता को उनके घरद्वार पर मिले।

हर थाने में एक बाल कल्याण अधिकारी हो उपलब्ध

मुख्यमंत्री ने पुलिस अधीक्षकों को निर्देश देते हुए कहा कि हर थाने में एक बाल कल्याण अधिकारी उपलब्ध होना चाहिए और उसे किशोरों व बच्चों के प्रति लैंगिक अपराधों से संरक्षण का प्रशिक्षण दिया जाए ताकि इस तरह के जघन्य अपराधों पर अंकुश लगाया जा सके। साथ ही, बाल विवाह को रोकने के लिए उपायुक्तों और पुलिस अधीक्षकों की जिम्मेदारी भी तय की गई है।

डीसी और एसपी मिलकर नशे के खिलाफ चलाएं ज्वाइंट ऑपरेशन

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला में डीसी और एसपी मिलकर नशे के खिलाफ ज्वाइंट ऑपरेशन चलाएं । नशे के काले कारोबार को जड़ से खत्म करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है । इसके लिए अधिकारी समन्वय से कार्य करते हुए नशा माफिया की पहचान करें और नशा की सप्लाई चेन के रैकेट पर प्रहार करते हुए उसे ध्वस्त करें ताकि प्रदेश को पूर्ण रूप से नशामुक्त बनाया जा सके। प्रदेश में अवैध खनन के मामलों का कड़ा संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री ने उपायुक्तों और पुलिस अधीक्षकों को इस पर रोक लगाने के लिए तत्परता से कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खनन विभाग को भी इस दिशा में फौरी कदम उठाने के लिए कहा गया है।

हाईकोर्ट के आदेश पर 'सुप्रीम' रोक

दिल्ली में 'आयुष्मान भारत' फिलहाल नहीं होगी लागू

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक आदेश में पीएम आयुष्मान भारत स्वास्थ्य इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन योजना को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में फिलहाल लागू करने पर रोक लगा दी है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने अपने एक आदेश में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और दिल्ली सरकार के बीच एक समझौता करने का निर्देश दिया था। इस समझौते के तहत प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य ढांचा मिशन को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में लागू किया जाना था। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की पीठ ने उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगाने का आदेश दिया। दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। अब सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को नोटिस जारी कर उनका जवाब मांगा है। दिल्ली की तरफ से अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील दी कि राज्य सूची की शक्तियां सीमित हैं, लेकिन उच्च न्यायालय ने सरकार की शक्तियों को स्वास्थ्य क्षेत्र में फिर से परिभाषित किया है।

रवि और स्टालिन को दी चेतावनी

अगली सुनवाई तक मामला सुलझा लें

तमिलनाडु सरकार और राज्यपाल आरएन रवि के बीच कुलपतियों की नियुक्ति पर जारी विवाद कड़ी टिप्पणी की। न्यायमूर्ति एसबी पारदीवाला की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि अगली सुनवाई तक अगर यह मामला सुलझ जाता है तो ठीक है। नहीं तो हम इसे सुलझा लेंगे। राज्यपाल और तमिलनाडु सरकार के बीच विधेयकों को मंजूरी देने का मामला पिछले लंबे अटका पड़ा है। राज्यपाल रवि ने मद्रास विश्वविद्यालय, भारथिअर विश्वविद्यालय और तमिलनाडु शिक्षक प्रशिक्षण विश्वविद्यालय के कुलपतियों के नामों को तय करने के लिए एक समिति का गठन किया था।

सीजेआई ने किया एक और बदलाव

नई कमेटी में ज. नागरत्ना व बांसुरी शामिल

सीजेआई जस्टिस संजीव खन्ना ने सुप्रीम कोर्ट में एक और बदलाव किया है। उन्होंने शीर्ष अदालत में जेंडर सेंसिटाइजेशन एंड इंटरनल कंप्लेंट्स कमेटी का पुनर्गठन किया है। 11 सदस्यों वाली इस समिति में जस्टिस बीवी नागरत्ना को अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्रार की ओएसडी सुजाता सिंह सदस्य सचिव होंगी। इस पैनल में जस्टिस नोंगमईकापम कोटिस्वर सिंह और वरिष्ठ अधिवक्ता मेनका गुरुस्वामी, लिज मैथ्यू और बांसुरी स्वराज को सदस्य बनाया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने की क्यूएस सर्वे की सराहना

भारत नौकरियों के लिए टॉप मार्केट बन रहा

सरकार ने युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने जरूरी कौशल प्रदान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

क्यूएस वर्ल्ड फ्यूचर स्किल्स इंडेक्स की रिपोर्ट में भारत को भविष्य की मांग वाली नौकरियों, जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस , डिजिटल और ग्रीन टेक्नोलॉजी के लिए प्रमुख बाजार बताया गया है। पीएम ने इस उपलब्धि पर कहा कि सरकार युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने, नवाचार को बढ़ावा देने सक्रिय रूप से काम कर रही है। पीएम ने 'एक्स' पर लिखा, पिछले एक दशक में हमारी सरकार ने युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए जरूरी कौशल प्रदान करने पर काम किया है।

इसे बढ़ावा देने को सरकार सक्रियता बढ़ा रही

नवाचार और उद्यमशीलता का केंद्र बना

हमने भारत को नवाचार और उद्यमशीलता का केंद्र बनाने के लिए तकनीक का लाभ उठाया है। उन्होंने कहा कि क्यूएस वर्ल्ड फ्यूचर स्किल्स इंडेक्स की यह रिपोर्ट हमें आगे की दिशा में प्रेरित करती है और युवाओं को सशक्त बनाने के हमारे प्रयासों को मजबूती देती है।

कौशल विकास की पहलें आईं काम : राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और कौशल विकास की पहलें इन रैंकिंग्स में दिखाई देने लगी हैं। क्यूएस क्वाक्वारेली साइमंड्स वैश्विक उच्च शिक्षा क्षेत्र के लिए विश्लेषण और जानकारी प्रदान करता है, जो शैक्षिक उपलब्धियों, अंतरराष्ट्रीय गतिशीलता और करियर विकास पर ध्यान केंद्रित करता है।

फ्यूचर ऑफ वर्क श्रेणी में भारत ने दूसरा स्थान हासिल किया

रिपोर्ट में 'फ्यूचर ऑफ वर्क' श्रेणी में भारत ने 99.1 अंकों के साथ दूसरा स्थान हासिल किया जिसमें वह केवल अमेरिका से पीछे है। रिपोर्ट ने भारत की वेंचर कैपिटल निवेश को आकर्षित करने और एआई को कार्यबल में शामिल करने की तैयारी की भी प्रशंसा की। केपनी के एग्जीक्यूटिव डाइरेक्टर डॉ. अश्विन फर्नांडिस ने भारत की प्रगति की सराहना की।

डॉ दिनेश खराडी ने सम्भाला सीएमएचओ सिरोही का पदभार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सिरोही। डॉ दिनेश खराडी ने सीएमएचओ सिरोही का पदभार ग्रहण किया। इससे पहले डॉ खराडी सीएमएचओ प्रतापगढ़ एवं सीएमएचओ उदयपुर के पद पर कार्य कर चुके है। सीएमएचओ उदयपुर के पद पर रहते हुए डॉ खराडी में कोरोना काल में उत्कृष्ट कार्य किया था जिसके लिए डॉ खराडी को जिला स्तर एव राज्य स्तर पर कई बार सम्मानित भी किया जा चुका है । इसके साथ ही डॉ खराडी को कई सामाजिक संगठनों ने भी सम्मान से नवाज़ा था । पिछ्ली सरकार ने डॉ खराडी को जिला अस्पताल डूंगरपुर में लगाया था ।राज्य सरकार ने आदेश जारी कर इनका पदस्थापन सीएमएचओ सिरोही के पद पर किया है ।

प्रयागराज महाकुंभः 27 जनवरी को अखाड़ों में अनुष्ठान की होगी शुरुआत, मिलेगी नागा साधुओं के लिए दीक्षा

खूनी नागा, राज राजेश्वरी नागा, बर्फानी नागा, खिचड़िया नागा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ मेला लगा हुआ है। यहां नागा साधु सुर्खियां बटोर रहे हैं। शाही स्नान सबसे पहले नागा साधु ही करते हैं। क्या कभी आपने सोचा कि नागाओं की पहचान कैसे होती है? हम बताएंगे कि कैसे स्थान के मुताबिक दीक्षा लेने वालों की पहचान होती है। महाकुंभ मेले में महिला नागा साधु भी नजर आ रही हैं। महिलाएं नागा साधु कैसे बनती हैं और इन्हें किस तरह की परीक्षा के दौर से गुजरना होता है।

नागा साधु

हिंदू धर्म में साधु को काफी पवित्र माना गया। उनसे भी ज्यादा पवित्र नागा साधुओं को माना जाता है। महाकुंभ में नागा साधुओं की टोली ने सभी का दिल जीत लिया है। महाकुंभ प्रयागराज का पहला अमृत स्नान हो चुका है। पहले अमृत स्नान में 13 अखाड़ों ने अमृत स्नान किया है। साथ ही 3.5 करोड़ लोगों ने भी पवित्र डुबकी लगाई है। अब दूसरे अमृत स्नान की बारी है जो 29 जनवरी को होनी है। इस महाकुंभ में 12 हजार संतों को नागा साधु बनने की परीक्षा देनी है।

स्थान के मुताबिक दीक्षा लेने वाले नागाओं की होती है पहचान

महाकुंभ में स्थान के मुताबिक दीक्षा लेने वाले नागा साधुओं की पहचान होती है, जो उनके करीबी भी जानते हैं। यानी कि अखाड़ों को पता चलता है कि यह कौन से नागा है। जैसे उज्जैन में दीक्षा लेने वाले नागा साधुओं को खूनी नागा कहा जाता है, हरिद्वार में दीक्षा लेने वाले नागा साधुओं को बर्फानी और नासिक में दीक्षा लेने वाले नागा साधुओं का खिचड़िया जबकि प्रयागराज में दीक्षा लेने वाले नागा साधुओं को राजराजेश्वरी कहा जाता है।

कैसे बनते हैं नागा

दूसरे अमृत स्नान में भी पहला अमृत स्नान नागा साधुओं का ही होगा। लेकिन इससे पहले 27 जनवरी को अखाड़ों में अनुष्ठान की शुरुआत होगी, जिसमें पहले दिन आधी रात को विशेष पूजा होगी। इस पूजा में दीक्षा लेने वाले संतों को गुरुओं के सामने लाया जाएगा। संन्यासी आधी रात गंगा में 108 डुबकी लगाएंगे और स्नान के बाद उनकी आधी शिखा काट दी जाएगी। इसके बाद उन्हें तपस्या के लिए वन भेज दिया जाएगा और फिर जब संत अपना शिविर छोड़ देंगे तो उन्हें मनाकर वापस बुलाया जाएगा। तीसरे दिन वे नागा बनने के लिए तैयार संत नागा भेष में लौटेंगे और उन्हें अखाड़े के महामंडलेश्वर के सामने जाना होगा। गुरु के हाथ में पर्चा होगा, जिससे यह तय होगा कि संत नागा बन सकता है या नहीं। इसके बाद गुरु तड़के 4 बजे उनकी पूरी शिखा काट देंगे और जब 29 जनवरी को मौनी अमावस्या स्नान के लिए जाएंगे तो उन्हें भी अन्य नागा के साथ स्नान के लिए भेजा जाएगा और फिर वे नागा साधु के रूप में स्वीकार किए जाएंगे। ऐसे में सवाल उठता है कि इन नागाओं की पहचान क्या होती है तो आइए जानते हैं।

'नागा देश के दुश्मनों से लड़ने को तैयार, भाला-बंदूक चलाना आता है', महाकुंभ में 'चश्मे वाले बाबा' ने भरी हुंकार

प्रयागराज महाकुंभ में बाबा, साधु-संतों के अलग-अलग रूप देखने को मिल रहे हैं। इसी क्रम में चश्मे वाले नागा बाबा सुर्खियों में हैं। देश रक्षा पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय फौज से पहले नागा साधु दुश्मनों से लड़ने के लिए तैयार हैं। आर्मी वाले हमारे बच्चे हैं, बच्चे बाद में लड़ेंगे पहले हम गार्जियन लोग लड़ेंगे। वहीं, विभूति लगाने के सवाल पर चश्मे वाले नागा बाबा ने कहा कि यह हमारा इतिहास है, विभूति मंत्र की तरह है, चादर का काम करती है, शक्तिवर्धक बन जाती है, महाकुंभ सनातनी पर्व है। देश रक्षा पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय फौज से पहले नागा साधु दुश्मनों से लड़ने के लिए तैयार हैं। आर्मी वाले हमारे बच्चे हैं, बच्चे बाद में लड़ेंगे पहले हम गार्जियन लोग लड़ेंगे। हमें तलवार चलाना, त्रिशूल चलाना, भाला चलाना, बंदूक चलाना सब आता है। हम धर्म के सिपाही हैं, सनातन के सिपाही है। जब भी जरूरत पड़ेगी सनातनी फौज देश के लिए तैयार रहेगी। नागाओं के सिद्धांतों पर बोलते हुए कहा कि किसी भी प्रकार से किसी का अहित नहीं करना है, वासना से दूर रहना है, सत्य और धर्म रखना है, दिल को दया का खजाना बनाना है। नागा नग्न है क्योंकि उसमें कोई कामना और वासना नहीं है। नागा भोलेनाथ का स्वरूप है, उनके कण हैं, साक्षात शिव का स्वरूप हैं।

महिलाएं कैसे बनती हैं नागा साधु?

महाकुंभ में नागा साधु हमेशा से लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचते हैं। नागा साधुओंधु ओंकी विचित्र दुनिदु या ज्यादातर लोगों के लिए चर्चाका विषय बन गया है। इसकी वजह ये है कि सांसरिक मोह माया को त्याग चुकेचुकेनागा साधु एक अलग तरह का जीवन जीते हैं। नागा साधु 17 श्रृंगार करके शिव भक्ति में लीन रहते हैं। महाकुंभ मेले मेले में पुरुषों की तरह महिला नागा साधु भी नजर आ रही हैं। बहुत से लोग जानना चाहते हैं कि आखिर नागा साधु किसे कहते हैं और महिलाएं कैसे नागा साधु बनती हैं? नागा शब्द संस्कृत के 'नग' से बना है। नग मतलब पहाड़। यानी पहाड़ों या गुफाओं में रहने वाले नागा कहलाते हैं। 9वीं सदी में आदि शंकराचार्य ने दशनामी संप्रदाय की शुरुशुआत की थी। ज्यादातर नागा संन्यासी इसी संप्रदाय से आते हैं। इन संन्यासियों को दीक्षा देते

वक्त दस नामों से जोड़ा जाता है। ये दस नाम हैं- गिरी, पुरी, भारती, वन, अरण्य, पर्वत, सागर, तीर्थ, आश्रम और सरस्वती। इसलिए नागा साधुओं को दशनामी भी कहा जाता है। महिलाओं के लिए नागा साधु बनने का रास्ता बेहद कठिन है। इसमें 10 से 15 साल तक कठोर ब्रह्मचर्य व्रत का पालन करना पड़ता है। गुरु को अपनी योग्यता और ईश्वर के प्रति समर्पणर्प का प्रमाण देना होता है। महिला नागा साधुओंधु ओंको जीवित रहते हुए अपना पिंडपिं दान और मुंडनमुं भी जरूर करना होता है। नागा साधु बनने कीप्रर्ि या में महिलाओं को कई कठिन परीक्षाओं से गुजरना पड़ता है। जब अखाड़े के गुरु को उस महिला पर भरोसा हो जाता है, तो वो दीक्षा देते हैं। दीक्षा के बाद महिला संन्यासी को सांसारिक कपड़ा छोड़कर अखाड़े से मिला पीला या भगवा कपड़े पहनना होता है। इन्हें माता की पदवी दी जाती है। महिला नागा साधु को माता कहा जाता है। महिला नागा साधु को नागिन, अवधूतधू नी या माई कहा जाता है। ये कपड़े पहनती हैं। महिला नागा साधुओंधु ओंके लिए यह नियम है कि उन्हें केसरिया कपड़े पहनना ही होता है। वे दिगंबर नहींरह सकतीं। कुंभ के दौरान महिला नागा साधुओंधु ओंके लिए माई बाड़ा बनाया जाता है, जिनमें सभी महिला नागा साधु माताएं रहती हैं। जूना अखाड़ा में सबसे ज्यादा महिला नागा साधु जूना अखाड़ा देश का सबसे बड़ा और पुराना अखाड़ा है। ज्यादातर महिला नागा इसी से जुड़ी हैं। साल 2013 में पहली बार इससे महिला नागा जुड़ीं थीं। सबसे ज्यादा महिला नागा इसी अखाड़े में हैं। इसके अलावा आह्वान अखाड़ा, निरंजन अखाड़ा, महानिर्वाणी अखाड़ा, अटल अखाड़ा और आनंद अखाड़े में भी महिला नागा हैं।

समाज की पूर्ण उन्नति के लिए शिक्षा व्यापार और एकता बहुत जरूरी - बी एल कुशवाहा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

धौलपुर। पूर्व विधायक बी एल कुशवाहा ने जिले वासियों को नव वर्ष की शुभकामनाएं प्रेषित करने के लिए नव वर्ष मिलन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें धौलपुर जिले की चारों विधान सभाओं से सर्व समाज के हजारों लोग शामिल हुए। सर्व प्रथम पूर्व विधायक बी एल कुशवाहा ने नव वर्ष मिलन समारोह में शामिल मंचाशीन अतिथियों का साफा माला पहनाकर स्वागत किया। धौलपुर विधायक शोभारानी कुशवाहा ने भीड़ को सम्बोधित करते हुए सभी को नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं और हजारों की संख्या में पधारे जनता जनार्दन को धन्यवाद दिया। पूर्व विधायक बी एल कुशवाहा ने हजारों की भीड़ को सम्बोधित करते हुए सर्व प्रथम बुरे वक्त में कड़ी मेहनत करने के लिए अपनी कोर टीम को धन्यवाद दिया उसके बाद लगातार तीन बार विधान सभा चुनाव जीतने वाली अपनी धर्म पत्नी वर्तमान विधायक शोभारानी कुशवाहा को धन्यवाद देते हुए कहा विधायकी के साथ साथ जिस तरह मेरे बच्चों की भी देखभाल की उसके लिए विधायक शोभारानी कुशवाहा का बहुत बहुत धन्यवाद।

आगे सभा को संबोधित करते हुए बी एल कुशवाहा ने जिले भर में निवास करने वाले अपने कुशवाहा समाज का धन्यवाद दिया जी। उन्होंने कहा राजनीति में आने से पहले कुशवाहा समाज ने जो वादा किया था उसे लगातार 10 वर्षों तक बरकरार रखा उसके लिए सभी समाज बंधुओ का बहुत बहुत आभार। उन्होंने कहा राजनीति में आकर पैसे कमाना मेरा उद्देश्य कभी नहीं था सर्व समाज के विकास के लिए मैं राजनीति में आया था आगे भी सर्व समाज के विकास के लिए हमेशा तत्पर रहूंगा। पूर्व विधायक बी एल कुशवाहा ने हजारों की तादात में मौजूद लोगों को समाज के पूर्ण विकास के लिए शिक्षा व्यापार और एकता पर जोर देने की अपील करते हुए कहा सभी समाज शिक्षा रोजगार और एकता से ही पूर्ण विकास कर सकतें हैं। पूर्व विधायक बी एल कुशवाहा के मंच पर सभी राजनैतिक दलों के नेता, कार्यकर्ता, व्यापारी, सरपंच गढ़, पार्षद आदि मौजूद रहे। अपने संबोधन के अंत में पूर्व विधायक बी एल कुशवाहा ने राजनीति में बने रहने के लिए जनता की राय जानी तो हजारों लोगों की भीड़ ने अपने दोनों हाथ उठाकर समर्थन और आशीर्वाद दिया। अंत में समारोह में पधारे सभी आगुंतकों को पूर्व विधायक बी एल कुशवाहा ने नव वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

अरविंद बने राष्ट्रीय पंजाबी महासभा की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बीकानेर। राष्ट्रीय पंजाबी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक मेहता ने

कहा कि समाज और देश हित राष्ट्रीय पंजाबी महासभा के लिए सर्वोपरि हैं। महासभा पंजाबी समाज को संगठित करने और सामाजिक धार्मिक एवं राजनीतिक तौर पर मजबूती प्रदान करने के लिए कार्यरत है। देश के विभिन्न राज्यों में राष्ट्रीय पंजाबी महासभा की प्रदेश और जिला इकाइयां बड़ी मजबूती के साथ समाज को संगठित करने का काम कर रही है। अशोक मेहता ने राष्ट्रीय पंजाबी महासभा की राजस्थान इकाई के महासम्मेलन को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित करते हुए कही। इस महासम्मेलन के दौरान सर्वसम्मति से राष्ट्रीय पंजाबी महासभा की राजस्थान इकाई के संयोजक अरविंद मिढा को महासभा की राजस्थान इकाई का अध्यक्ष नियुक्त कर दिया गया। इसके साथ ही अरविंद मिढा को राजस्थान में महासभा के प्रदेश कार्यकारिणी और जिला अध्यक्षों की नियुक्ति का भी अधिकार दिया गया है। समारोह में बीकानेर के जिला अध्यक्ष गोविंद ग्रोवर ने अशोक मेहता का भव्य स्वागत किया।

राजकीय विद्यालय को साउंड सिस्टम व माइक सेट भेंट

बीकानेर @ जागरूक जनता। राजकीय विद्यालय में संसाधनों के विकास हेतु भामाशाहों को प्रेरित करने का कार्य राष्ट्रपति अवार्डी शिक्षक हुकम चंद चौधरी द्वारा निरंतर किया जा रहा है। इन्ही की प्रेरणा से राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय अंबेडकर कॉलोनी के स्टाफ द्वारा विद्यालय को साउंड सिस्टम व माइस सेट भेंट किया गया। राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से पुरस्कृत शिक्षक हुकम चंद चौधरी सरकारी विद्यालयों में भौतिक सुविधाओं के विकास हेतु निरंतर कार्य कर रहे हैं।

आईसीएआर ने 15 संस्थानों के नाम बदले

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने अपने 15 संस्थानों के नामों में परिवर्तन किया है। बदले नाम संस्थानों में से अधिकांश खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए फसल विज्ञान योजना से जुडे हुए है। जानकारी अनुसार इंडियन इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ सीड साइंस, मऊ को अब नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ सीड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, मऊ, अ.भा. समन्वित अनुसंधान परियोजना, एनएसपी (फसलें) और आईसीएआर-सीड को अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना, बीज, नेशनल राइस रिसर्च इंस्टिट्यूट, कटक को सेंट्रल राइस रिसर्च इंस्टिट्यूट, कटक (ओडिशा), इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मिलेट्स रिसर्च, हैदराबाद को इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ श्री अन्न (मिलेट्स) रिसर्च, हैदराबाद, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ सोयाबीन रिसर्च, इंदौर को नेशनल सोयाबीन रिसर्च इंस्टिट्यूट, इंदौर (एमपी), डायरेक्टरेट ऑफ ग्राउंडनट रिसर्च, जूनागढ़ को इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ ग्राउंडनट रिसर्च, जूनागढ़, डायरेक्टरेट ऑफ रेपसीड-मस्टर्ड रिसर्च, भरतपुर को डियन इंस्टिट्यूट ऑफ रेपसीड एंड मस्टर्ड रिसर्च, भरतपुर, सेंट्रल टोबैको रिसर्च इंस्टिट्यूट, राजमुंद्री को नेशनल इंस्टिट्यूट फॉर रिसर्च ऑन टोबैको एंड एग्रीकल्चर , राजमुंद्री, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ शुगरकेन रिसर्च, लखनऊ को इंडियन शुगरकेन रिसर्च इंस्टिट्यूट, लखनऊ, रिसर्च सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड पेस्ट मैनेजमेंट, नई दिल्ली को नेशनल रिसर्च इंस्टिट्यूट फॉर इंटीग्रेटेड पेस्ट मैनेजमेंट, नई दिल्ली, ऑन पेस्टीसाइड रेजिड्यूस, नई दिल्ली को अखिल भारतीय नेटवर्क परियोजना, पेस्टीसाइड रेजिड्यूस, नई दिल्ली, ऑन चना, अरहर और मूंगफली और ऑन एरिड लेग्यूम को ऑन रबी पल्सेज (चना, मटर और मसूर), कानपुर, और ऑन खरीफ पल्सेज (अरहर, मूंग, उड़द, राजमाह, लोबिया, मथ, क्लस्टर बीन और राइस बीन), कानपुर बोला जायेगा।

डॉ. अली की पुस्तक 'भौतिक रसायन विज्ञान' का विमोचन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

आबूरोड़। माधव विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग के सह आचार्य डॉ. अफसर अली द्वारा रचित पुस्तक भौतिक रसायन विज्ञान का विमोचन विश्वविद्यालय के चेयरमैन डॉ. राजकुमार ने किया। यह पुस्तक राजस्थान विश्वविद्यालय के एनईपी पाठ्यर म के तहत बीएससी-बीएड (इंटीग्रेटेड कोर्स) के चौथे वर्ष के छात्रों के लिए उपयोगी साबित होगी और इसे इसी वर्ष से राजस्थान के सभी महाविद्यालयों में पढ़ाया जाएगा।

पुस्तक विमोचन समारोह में विश्वविद्यालय के चेयरपर्सन हिम्मत सिंह देवल, प्रो-चांसलर डॉ. बी.के. गौतम, प्रेसिडेंट डॉ. राजीव माथुर, रजिस्ट्रार डॉ. भावेश कुमावत, रिसर्च डायरेक्टर डॉ. पवन कुमार और विज्ञान विभाग के अधिष्ठाता डॉ. जिगर सोनी

समेत प्रोफेसर उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विज्ञान विभाग और अन्य शिक्षकों ने डॉ. अफसर अली को उनकी उपलब्धि पर बधाइयां दीं। डॉ. अफसर अली पूर्व में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में पोस्ट-डॉक्टरेट शोधार्थी के रूप में कार्यरत रहे हैं। उन्होंने 2019 के नोबेल पुरस्कार विजेता प्रोफेसर एम. स्टैंडले विटिंगम के साथ शोध कार्य किया है और उनका लेख 'अमेरिकन केमिकल सोसायटी के इनऑर्गेनिक केमिस्ट्री जर्नल' में प्रकाशित हो चुका है। डॉ. अली की यह पुस्तक भौतिक रसायन विज्ञान के जटिल विषयों को सरलता से समझाने का उत्कृष्ट प्रयास है। डॉ. अली ने विज्ञान के क्षेत्र में निरंतर योगदान दिया है और उनकी यह पुस्तक न केवल छात्रों के लिए उपयोगी होगी, बल्कि रसायन विज्ञान में शोध करने वाले विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए भी प्रेरणादायक सिद्ध होगी।

अवस्थी ने बजट संवाद कार्यक्रम में लिया भाग

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर/दौसा। सर्व शिक्षा अभियान विशेष शिक्षक संघ राज भामस के प्रदेश महामंत्री जुगलकिशोर अवस्थी ने मुख्यमंत्री द्वारा मुख्यमंत्री कार्यालय जयपुर में मुख्यमंत्री बजट संवाद कार्यक्रम में भाग लिया। अवस्थी ने सर्व शिक्षा अभियान के समय से लगे संविदा विशेष शिक्षकों को नियमितीकरण सम्मानजनक वेतन रिक्त पदों को भरने की बात रखी एवं दिव्यांग बच्चों को उचित न्याय की बात पर जोर दिया। जिसको मुख्यमंत्री द्वारा बजट में सामिल करने की बात कही। इस अवसर पर बजट संवाद में उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी, मुख्य सचिव, वित्त सचिव के अलावा अनेक अधिकारी उपस्थित रहे।

कोहोर्ट-11.0 के शुभारंभ का पोस्टर विमोचन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोबनेर। श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर में संचालित, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि-व्यवसाय इंक्यूबेटर द्वारा कृषि छात्रों और नवाचारी कृषि स्टार्टअप्स के लिए "कोहोर्ट-11.0" का शुभारंभ का पोस्टर विमोचन किया गया। इस प्रोग्राम में प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिये इंक्यूबेशन सेंटर की वेबसाइट www.sabijobner.co.in व विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.sknau.ac.in के माध्यम से आवेदन किया जा सकता है। इस कार्यक्रम के तहत इंक्यूबेशन सेंटर के द्वारा कृषि छात्रों और नवाचारी कृषि स्टार्टअप्स को कृषि उत्पादों और सेवाओं के विकास और उत्पादन में मदद के लिए विभिन्न संसाधन और

मार्गदर्शन व प्रशिक्षण और इसके साथ 25 लाख रुपय तक की वित्तीय सहायता भी प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम के शुभारंभ समारोह में, विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ बलराज सिंह ने कहा कि कृषि छात्रों और कृषि उद्यमियों के लिए कृषि-व्यवसाय इंक्यूबेशन सेंटर के नए बैच का शुभारम्भ करना एक अच्छी पहल है जो कृषि क्षेत्र से सम्बंधित कार्यों को उच्च स्तर पर ले जाने में सहायक साबित होगा। इंक्यूबेशन सेंटर मे अब तक 208 नवाचारी कृषि स्टार्टअप्स को प्रशिक्षित किया जा चुका है, जिनमें से 57 स्टार्टअप्स को 6.73 करोड़ रुपये की सहायता राशि आवंटित की जा चुकी है। विश्वविद्यालय के निदेशक अनुसंधान डॉ. एन. के. गुप्ता ने बताया कि भारत सरकार के इस कार्यक्रम का उद्देश्य कृषि क्षेत्रों के लिए नवाचारी समाधानों को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक विकास में योगदान देना है। इसमें कृषि छात्रों के लिए एक माह की मेंटरशिप और तकनीकी सहायता के साथ चार लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म दिनांक ....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....

पता : ....

....

फोन .... पिन कोड ☐☐☐☐☐☐

राशि (रुपए) .... बैंक का नाम ....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक ☐☐☐☐☐☐ (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. ....रसीद क्रं. ....

दिनांक .... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
सकारात्मक हिन्दी अखबार

बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 : भारतीय टीम का ऐलान, 14 माह बाद तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की वापसी, हार्दिक पंड्या को झटका

मो. सिराज का बाहर होना चौंकाने वाला, वाशिंगटन सुंदर की सरप्राइज एंट्री

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 के लिए भारतीय टीम का ऐलान शनिवार को कर दिया गया। मुंबई में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में टीम इंडिया के चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने टीम का ऐलान किया। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कप्तान रोहित शर्मा भी मौजूद थे। चैम्पियंस ट्रॉफी इस बार 'हाइब्रिड मॉडल' के तहत पाकिस्तान की मेजबानी में होनी है। इसके मुकाबले पाकिस्तान के तीन शहरों (रावलपिंडी, कराची और लाहौर) एवं दुबई में खेले जाएंगे। चैम्पियंस ट्रॉफी की शुरुआत 19 फरवरी से हो रही है। सेलेक्शन की एक बड़ी बात अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की वनडे टीम में भी वापसी रही। शमी 2023 के वनडे वर्ल्ड कप के बाद एक्शन से दूर थे।

सेलेक्शन की सबसे बड़ी बात तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को चैम्पियंस ट्रॉफी टीम से बाहर करना रहा। सिराज वनडे वर्ल्ड कप 2023 और टी20 वर्ल्ड कप 2024 में भारतीय टीम का हिस्सा थे। तेज गेंदबाजों मोहम्मद शमी और जसप्रीत बुमराह की फिटनेस सवालों के घेरे में हैं, जबकि अर्शदीप सिंह को सिर्फ 8 वनडे मैचों का अनुभव है। सिराज के ना होने से भारतीय टीम का पेस अटैक फिलहाल कमजोर नजर आ रहा है। अगर बुमराह पूरी तरह फिट हो जाते हैं, जबकि शमी इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के दौरान लय हासिल कर लेते हैं तब तो ठीक है। अन्यथा भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। दाएं हाथ के ऑफ-स्पिनर वॉशिंगटन सुंदर को भी स्क्वॉड में चुना गया है। हालांकि उनका प्लेइंग-11 में जगह बनाना मुश्किल लग रहा है। सुंदर को शायद इसलिए टीम में जगह मिली है कि वो बाएं हाथ के उपयोगी बल्लेबाज हैं।

15 सदस्यीय भारतीय टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उप-कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, यशस्वी जायसवाल, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, वॉशिंगटन सुंदर।

गिल को उपकप्तानी, यशस्वी को बिग चांस

चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम की कप्तानी रोहित शर्मा करेंगे। वही शुभमन गिल को टीम का उप-कप्तान बनाया गया। शुभमन पिछले साल श्रीलंका दौरे पर भी वनडे और टी20 टीम के कप्तान उप-कप्तान बनाए गए थे। शुभमन को उप-कप्तान बनाकर चयनकर्ताओं ने ये संदेश दिया है कि वो भविष्य की ओर देख रहे हैं। हार्दिक पंड्या भी इस रोल के लिए दावेदार थे, लेकिन उन्हें फिर निराशा हाथ लगी। जसप्रीत बुमराह की फिटनेस सवालों के घेरे में हैं, जिसके चलते उप-कप्तानी की दौड़ में वो पिछड़ गए। वहीं, हालिया ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले ओपनर यशस्वी जायसवाल को भी चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए टीम इंडिया में जगह मिली। यशस्वी को पहली बार वनडे टीम में जगह मिली है। हालांकि रोहित शर्मा और शुभमन गिल के होते हुए उनके लिए प्लेइंग-11 में जगह बन पाना मुश्किल लग रहा है।

जागरूक न्यूज

ईरान में गोली मारकर सुप्रीम कोर्ट के 2 जजों की हत्या

दुबई। ईरान की राजधानी तेहरान में शनिवार को एक व्यक्ति ने दो प्रमुख कट्टरपंथी न्यायाधीशों की गोली मारकर हत्या कर दी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इन दोनों न्यायाधीशों ने कथित रूप से 1988 में बड़ी संख्या में असंतुष्टों को मृत्युदंड का फैसला सुनाया था। जानकारी के अनुसार, हमले के बाद में हमलावर ने खुद को भी गोली मारकर अपनी जान दे दी। अभी तक किसी भी संगठन ने न्यायाधीशों-- मोहम्मद मोगीसेह और अली रजिनी पर गोलीबारी की जिम्मेदारी नहीं ली है। देश में न्यायपालिका पर यह दुर्लभ हमला है।

जेईई मेन्स का एडमिट कार्ड जारी

नई दिल्ली। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने जेईई मेन्स 2025 सेशन-1 के एडमिट कार्ड जारी कर दिए। जिन छात्रों ने इंजीनियरिंग कोर्स में एडमिशन के लिए जॉइंट एंट्रेंस टेस्ट (जेईई मेन्स) का फॉर्म भरा था, वे अब एनटीए जेईई की आधिकारिक वेबसाइट jeemain.nta.nic.in पर जाकर अपना एडमिट कार्ड चेक और डाउनलोड कर सकते हैं। एनटीए ने फिलहाल 22, 23 और 24 जनवरी 2025 को होने वाली परीक्षा का एडमिट कार्ड जारी किया। एनटीए भारत के विभिन्न शहरों और विदेश के 15 शहरों में विभिन्न केंद्रों पर जेईई मेन्स सत्र 1 का आयोजन करेगा। पेपर 1 (बी.ई./बी.टेक) 22, 23, 24, 28 और 29 को दो शिफ्टों में होगा।

सीएम ने लगाया मरहम : बजट पूर्व की बैठक में चुनाव हारे प्रत्याशियों ने बयां किया अपना दर्द

हारे प्रत्याशी भी विधायक समान!

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बजट पूर्व हो रही एक बैठक में विधायक प्रत्याशियों ने मुख्यमंत्री को उलाहना दिया कि, वो हार गए, इसलिए कोई सुनवाई नहीं होती। इस पर सीएम भजनलाल ने कहा कि क्षेत्र का विधायक हो या फिर हारा हुआ प्रत्याशी, सभी की बात को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके साथ क्षेत्र की समस्याओं और काम को लेकर हर तीन महीने में मीटिंग करेंगे। उल्लेखनीय है कि, प्रदेश के वित्तीय वर्ष 2025-26 के प्रस्तावित बजट के पूर्व विचार-विमर्श लगातार जारी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा अलग-अलग वर्ग के साथ बजट पूर्व संवाद कर रहे हैं। इसी कड़ी में पार्टी विधायकों के बाद अब भाजपा के विधायक प्रत्याशियों के साथ भी सीएम भजनलाल ने बजट पूर्व संवाद किया और सुझाव लिए।

बैठक में भाजपा प्रत्याशियों ने अपने-अपने क्षेत्र से जुड़े कामों के बारे में जानकारी दी। इसके साथ ही बैठक में कुछ भाजपा प्रत्याशी रहे नेताओं ने इस बात पर भी कहा कि क्षेत्र में उनसे ज्यादा दूसरी पार्टी के जीते हुए विधायकों की बात को तवज्जो दी जाती है। इतना ही नहीं, कुछ जगह पर अधिकारियों की ओर से सुनवाई नहीं होने की शिकायत भी दी गई। इस पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारे हारे हुए प्रत्याशी भी विधायक के समान हैं।

फाइल फोटो

हर तीन में महीने करेंगे बैठक

दरअसल, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा अपने पहले कार्यकाल का दूसरा पूर्ण बजट पेश करने जा रहे हैं। इस बजट में पार्टी प्रत्याशियों के साथ भी बजट पूर्व संवाद करके उनसे सुझाव लिए। इस बैठक में प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ और पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सभी उपस्थित भाजपा विधायक प्रत्याशियों के बहुमूल्य सुझावों को सुना और बजट के अंतर्गत प्रदेश के समग्र विकास, जन कल्याणकारी योजनाओं के साथ आर्थिक सुदृढ़ीकरण पर विस्तृत चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर पर बैठे हुए व्यक्ति तक पहुंचे इसके लिए सभी को मिलकर काम करना होगा। 2047 तक विकसित राजस्थान की दिशा में सरकार काम कर रही है, उसमें सभी का सहयोग जरूरी है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भाजपा प्रत्याशियों के क्षेत्र की समस्याओं और उनके कामकाज को लेकर हर 3 महीने में उनके साथ बैठक करेंगे, ताकि विधायकों के साथ-साथ हारे हुए प्रत्याशी भी सरकार से सीधे संवाद में रहें।

'राम मंदिर बनाने वालों के साथ हुआ विश्वासघात'

डूंगरपुर। राष्ट्र संत पुलक सागर महाराज इन दिनों डूंगरपुर जिले के प्रवास पर है। यहां पुलक सागर महाराज ने कहा कि राजनीति की वजह से कभी कभी दुख भी होता है। जब कोई पूरे देश को उत्थान की तरफ ले जाता है और हमारे ही लोग उसे नीचे गिराने लगते है। अयोध्या में भगवान प्रभु श्रीराम का मंदिर बनाकर पूरी दुनिया के मानस पटल लाकर खड़ा कर दिया, लेकिन आखिर में उसके

साथ विश्वासघात ही हुआ। फिर कैसे कोई विकास होगा। तकलीफ दूसरों से नहीं अपनो से ही है। अब्दुल कलाम जैसे नेता भी इस देश में हुए है। इसमें मजहब नहीं देखा जाता है। प्रधानमंत्री मोदी को लेकर राष्ट्र संत ने कहा कि मोदी जैसे नेता होते हैं वहां मजहब और जातियां नहीं देखी जाती। उसने ही देश चलता है। महाराज ने कहा कि हमें हमारे अतीत में झांकने की जरूरत है। जो व्यक्ति अतीत से सीख नहीं लेता है। उसके वर्तमान ओर भविष्य दोनो बिगड़ जाते है। अतीत में बहुत सी ऐसी चीजें हो गई जिसका खामियाजा आज देश ओर समाज भुगत रहा है।

विद्यालयों में अनिवार्य रूप से हो सूर्य नमस्कार

गांव में रात्रि विश्राम करें अधिकारी- मदन दिलावर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। शिक्षा एवं पंचायतीराज विभाग मंत्री मदन दिलावर ने बूंदी सर्किट हाऊस में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने ग्रामीण विकास तथा शिक्षा विभाग की योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की।

बैठक में दिलावर ने निर्देश दिए कि जिले के विद्यालयों में अनिवार्य रूप से सूर्य नमस्कार हो, इसकी सभी तैयारियां पूरी रखें। उन्होंने निर्देश दिए कि अधिकारी महीने में चार दिन गांवों में रात्रि विश्राम करें और ग्रामीणजनों की समस्याओं को जानकारी लेकर निस्तारण कर राहत दें। उन्होंने कहा कि एक गांव में बार–बार रात्रि विश्राम नहीं हो और शाम 6 बजे गांव में पहुंचने के बाद अगली सुबह 6 बजे की गांव से प्रस्थान किया जाए। इस अवधि के दौरान अधिकारी उन्हें प्राप्त होने वाली समस्याओं का समाधान करना सुनिश्चित करें। शिक्षा मंत्री ने निर्देश दिए कि राज्य सरकार की मंशानुरूप आमजन की समस्याओं की समस्याओं का समाधान हो और उन्हें राहत मिले। उन्होंने निर्देश दिए कि गांवों में आयोजित रात्रि चौपाल का रिकॉर्ड संधारण किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि गांवों में सर्वांगीण विकास के लिए कदम उठाए जाएं। जिस मद की राशि है, उसी मद में खर्च की जाए। ऐसा नहीं करने पर अधिकारियों के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जिले में ऐसे घुमंतु परिवार जिन्हें अभी तक पट्टे नहीं मिल पाए है, उनके लिए आगामी बसंत पंचमी को शिविर आयोजन कर, पट्टे वितरित किए जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत 150-200 पौधों पर एक केयर टेकर लगाया जाए। साथ ही जो भी पौधा नष्ट होता है, उसके स्थान पर नया पौधा लगाया जाए।

महाकुंभ के प्रबंधन को लेकर पलटवार, शेखावत ने कहा 1954 से लेकर 2014 तक कांग्रेस ने लोकतंत्र और लोकतंत्र के सारे स्तंभों का गला घोंट

हाथी दांतों के उदाहरण से केंद्रीय मंत्री का कांग्रेस पर निशान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। केंद्रीय संस्तिकृ एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधा और कहा कि 1954 का कुंभ एकमात्र उदाहरण नहीं है, वहां से लेकर इमरजेंसी और 2014 तक, ग्रंथ लिखे जा सकते हैं कि किस तरह से कांग्रेस ने लोकतंत्र और लोकतंत्र के सारे स्तंभों का गला घोंटने की कोशिश की। शेखावत ने दिल्ली एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में गांधी परिवार और कांग्रेस पार्टी से जुड़े सवाल पर शेखावत ने कहा कि गांधी परिवार की राजनीति और कांग्रेस पार्टी का वर्तमान नेतृत्व देश-दुनिया के सामने बेनकाब हो चुका है। उनका चेहरा

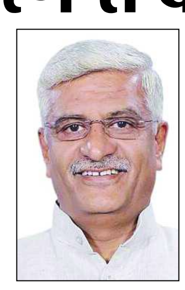

सबके सामने उजागर हो चुका है। उन्होंने कहा कि हिंदी में एक कहावत है, हाथी के दांत दिखाने के कुछ और, खाने के कुछ और होते हैं, मुझे लगता है कि उनका चाल, चरित्र और चेहरा सबके सामने उजागर हो चुका है। महाकुंभ के प्रबंधन पर शेखावत ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और देश की सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में जिस तरह से प्रबंधन किया है, वो निश्चित रूप से अनूठा है, क्योंकि इससे पहले स्मरण कीजिए, कुंभ जब कभी भी देश में होते थे, 2013 के कुंभ में किस तरह से भगदड़ मची, उस समय सरकार ने किस तरह असंवदेनशीलता के साथ व्यवहार किया था। महाकुंभ विश्व के लिए अनूठा उत्सव केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि महाकु भ विश्व के लिए अनूठा उत्सव है। जहां स्वतः स्फूर्त भाव से देशदुनिया से करोड़ों लोग श्रद्धा और उत्सुकता को लेकर आ रहे हैं। कौतूहलवश दुनियाभर से लोग यह जानने के लिए आ रहे हैंकि इतना बड़ा आयोजन, कैसेकिसी देश में एक स्थान पर हो सकता है। उन्होंने कहा कि इतने बड़े आयोजन में सरकार का जिस तरह से प्रबंधन है, वो केस स्टडी है। पौष पूर्णिमा और मकर संक्रांति के स्नान पर 5 करोड़ लोगों ने महाकु भ में स्नान किया।

45 पाक विस्थापितों को भारतीय नागरिकता एवं 29 को स्वीकृति पत्र सौंपे

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। जोधपुर के जेएनवीयू सभागार में आयोजित कार्यक्रम में 45 पाक विस्थापितों को भारतीय नागरिकता एवं 29 को स्वीकृति पत्र सौंपे गए। नागरिकता पाने वाले सभी लोगों के चेहरे पर खुशी का ज्वार उमड़ता रहा और आँखों में प्रसन्नता के आँसू छलकते रहे। इस अवसर पर महापौर (दक्षिण) वनिता सेठ ने भारतीय नागरिकता पाने वाले सभी पाक विस्थापितों को बधाई देते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने इन नागरिकों को विश्वास दिलाया कि नगर निगम उनके बेहतर भविष्य के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा। संभागीय आयुक्त डॉ. प्रतिभा सिंह ने प्रदेश में पाक विस्थापितों को भारतीय नागरिकता प्रदान करने की दिशा में किए जा रहे सार्थक प्रयासों का उल्लेख करते हुए बताया कि राज्य सरकार सभी पाक विस्थापितों के अधिकारों और हितों के प्रति पूर्ण सजग है तथा उनकी समस्याओं के निराकरण के लिए पूरी संवेदनशीलता से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि शासन-प्रशासन का सदैव यही प्रयास रहता है कि प्राप्त प्रकरणों को नियमानुसार शीघ्र निस्तारित कर हर संभव सुविधा मुहैया कराई जाए। इसके लिए सरकार हमेशा प्रतिबद्ध रही है। जिला कलक्टर गौरव अग्रवाल ने कहा कि यह 45 नागरिकों के साथ-साथ 45 संघर्ष की कहानियां भी हैं जिनमें प्रत्येक कहानी अपने आप में प्रेरणादायक है। उन्होंने संविधान प्रदत्त अधिकारों का बोध कराते हुए कहा कि अधिकारों के साथ अपने कर्त्तव्यों को भी पूरी जिम्मेदारी से निभाने के लिए हमेशा तत्पर रहें। कार्यक्रम में शिक्षा और व्यवसाय से जुड़ी समस्याओं पर विशेष चर्चा की गई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आमजन की पीड़ा को समझा स्वामित्व योजना के तहत बाड़मेर में 10 हजार पट्टे एवं प्रॉपर्टी पार्सल वितरित

आमजन को मिला घर का पक्का कानूनी दस्तावेज

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। स्वामित्व योजना ग्रामीणों के लिए सौगात साबित हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आमजन की पीड़ा को समझते हुए आमजन को अपने घर का पक्का कानूनी दस्तावेज पट्टे एवं प्रॉपर्टी पार्सल उपलब्ध कराने की अभिनव पहल की है। बाड़मेर जिले के प्रभारी मंत्री जोराराम कुमावत ने शनिवार को बाड़मेर जिला मुख्यालय पर भगवान महावीर टाउन हॉल में स्वामित्व योजना के तहत आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम के दौरान यह बात कही।

प्रभारी मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि स्वामित्व योजना से गरीब किसानों को अपनी संपत्ति का हक मिला रहा है। उन्हें पट्टे मिलने से ग्रामीण बैंक के माध्यम से ऋष्ठा लेकर व्यवसाय स्थापित करके जीवन यापन कर सकते है। उन्होंने कहा कि पहले गांव के लोगों के पास संपत्ति होने के बावजूद उनके पास कानूनी दस्तावेज होते ही नहीं थे। स्वामित्व योजना के तहत अब आमजन को संपत्ति का कानूनी दस्तावेज मिल गया है। प्रभारी मंत्री कुमावत ने स्वामित्व योजना के लाभार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि अब गांवों में मौजूद प्रत्येक संपत्ति का रिकॉर्ड ऑनलाइन किया जाएगा। इससे कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति उस जमीन पर अपना कब्जा नहीं जमा पाएगा। इससे गांव में झगड़े होने की संभावनाएं कम होंगी और यदि कोई समस्या उत्पन्न होती है तो उसका हल निकालना भी सरल हो जाएगा। प्रभारी मंत्री कुमावत ने कहा कि गांव में यदि कभी जमीन से जुड़ा विवाद उत्पन्न हो भी जाता था, तो उसे सुलझाने में लगभग 20 साल से भी अधिक का समय लग जाया करता था।

इस योजना के आने के बाद ऐसी स्थिति पैदा होने की संभावनाओं में काफी हद तक कमी आने की उम्मीद है। इस दौरान उन्होंने पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण केन्द्र प्रवर्तित योजना के तहत पशुपालकों के घर तक पशु चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने के लिए 1962 कॉल सेन्टर की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पशुपालक की ओर से अपने पशु के बीमार होने पर कॉल सेन्टर हैल्पलाइन टोल-फ्री नंबर 1962 पर सूचना दर्ज करने पर कॉल सेन्टर के अधिकारी की ओर से पशुपालक के नाम, ग्राम, पशु एवं रोग के लक्षण आदि की जानकारी प्राप्त कर सिस्टम पर दर्ज की जाएगी। लक्षणों के आधार पर सिस्टम में पूर्व से संधारित डाटा अनुसार अथवा कॉल सेंटर पर उपस्थित पशु चिकित्सक की सलाह अनुसार टिकट जनरेट किया जाएगा। सूचना का एक संदेश पशुपालक के फोन पर तथा एक संदेश संबंधित ग्राम से संबधित युनिट के पशु चिकित्सक के फोन पर जाएगा। पशु चिकित्सक तत्काल कॉल बुक करते हुए रोगी पशु के स्थान के लिए प्रस्थान करेगा। चौहटन विधायक आदूराम मेघवाल ने कहा कि स्वामित्व योजना के लाभार्थी अपने पट्टे के आधार पर सरकारी बैकों से छोटा-मोटा लोन ले सकते है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में बाड़मेर जिले में पाक विस्थापित लोगों को इस योजना के तहत सर्वेक्षण करवाकर पट्टे जारी करवाए जाएंगे।

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039